@Kamal.Sandesh KamalSandeshLive www.kamalsandesh.org kamal.sandesh @KamalSandesh

कमल संदेश

सीएए पर देश में अशांति फैला रहा विपक्ष

वर्ष-15, अंक-06 16-31 मार्च, 2020 (पाक्षिक) ₹20

'अमेरिका भारत को प्यार करता है, भारत का सम्मान करता है और भारत का हमेशा निष्ठावान मित्र रहेगा'

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में दीप प्रज्वलित कर भाजपा सहयोग कार्यक्रम का शुभारंभ करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, साथ में–केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल व अन्य वरिष्ठ भाजपा पदाधिकारीगण

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के शिमला (हिमाचल प्रदेश) आगमन पर उनका भव्य स्वागत करते मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व में हिमाचल भाजपा कार्यकर्तागण

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में संपन्न हुई भाजपा पदाधिकारियों की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह, भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व बंगाल प्रभारी श्री कैलाश विजयवर्गीय व अन्य

भुबनेश्वर (ओडिशा) में 'जन समावेश' में केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह का स्वागत करते ओडिशा भाजपा कार्यकर्तागण

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) स्थित शहीद मैदान में एक विशाल रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह

नई दिल्ली में महिला उद्यमशीलता सम्मेलन, 2020 को संबोधित करते केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

ई-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 कट्टर इस्लामी आतंकवाद से लोगों की रक्षा के लिए काम कर रहे हैं भारत अमेरिका...

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे. ट्रंप ने 24-25 फरवरी, 2020 के दौरान भारत की पहली राजकीय यात्रा की। इस यात्रा के प्रथम चरण में...

वैचारिकी

जीवन का सामाजिक ध्येय 20

श्रद्धांजलि

अप्रतिम क्रांतिकारी वीर सावरकर 22

लेख

कौशल भारतः नीतियां हर महिला को अपनी क्षमता हासिल करने में सहयोगी बनाएं 27

संबंधों के नये युग की शुरुआत 29

ट्रम्प का भारत दौरा 30

अन्य

'भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' पर जोर 11

उत्कल राज्य सबसे अच्छा राज्य बने, इस दिशा में हम कोई कसर नहीं... 16

स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत 81 प्रतिशत से अधिक महिलाएं... 17

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित कुल 73 लाख अभ्यर्थियों में से 40 प्रतिशत महिला अभ्यर्थी 19

भारतीय रेल ने अपना पहला 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स' लॉन्च किया 19

सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली के जरिए वित्त वर्ष 2019-20 में 19.64 लाख करोड़ रुपए के 64 करोड़ लेनदेन 32

सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित महिलाओं के नाम पर 11 चेयर्स की घोषणा की 33

09 राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में नया अध्याय...

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा को भारत और अमेरिका...

14 सीएए पर देश में अशांति फैला रहा विपक्ष...

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 27 फरवरी को कहा कि विपक्ष नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) को मुद्दा...

23 प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया...

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 फरवरी को चित्रकूट में 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखी। यह एक्सप्रे...

26 अब राज्य में जनता को दबाने, अत्याचार और भ्रष्टाचार करने की विचारधारा नहीं चलने वाली है...

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के...

प्रकाशक एवं मुद्रकः डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, बी-2, सेक्टर-63, नोएडा (उ.प्र.)-201307 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

twitter

नरेन्द्र मोदी

देश के गरीब और मध्यम वर्ग को ये विश्वास हुआ है कि सरकार उन्हें उत्तम, सस्ता और सुलभ इलाज देने में जुटी है। इससे अपेक्षा जितनी बढ़ी है, उतने ही हमारे प्रयास भी व्यापक हो रहे हैं।

राजनाथ सिंह

भारत के विकास में महिलायें कंधे से कंधा मिलाकर आगे आयें। एक समृद्ध और समर्थ भारत के निर्माण में महिलायें भी बराबर की साझीदार हों। महिलाओं के विकास का कोई भी रास्ता अवरुद्ध न होने पाएं, यह सुनिश्चित करने में हमारी सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी।

अमित शाह

पीएमबीजेपी योजना से जनता को लगभग 2,200 करोड़ रुपयों की बचत हुई है। आज देशभर के 700 जिलों में 6,200 से अधिक जन औषधि केन्द्रों के साथ यह संभवतः दुनिया की सबसे बड़ी खुदरा फार्मा श्रृंखला है। सस्ती दवाओं के साथ-साथ इस योजना से स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिला है।

facebook

भाजपा सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से साधारण जनता की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाना और सरकार से उसका निवारण कराना ऐसा कार्यक्रम हमारे यहां लंबे समय से चल रहा है। पिछली सरकार में इस कार्यक्रम के सफलतापूर्वक चलने के बाद इस बार पुनः इसका औपचारिक शुभारंभ किया गया है। — **जगत प्रकाश नड्डा**

राष्ट्रीय राजमार्ग में भूमि अधिकरण प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाने में 'भूमि राशि पोर्टल' महत्वपूर्ण योगदान कर रही है। इस पोर्टल को PMFS के साथ जोड़ने से अब भुगतान राशि सीधे भूस्वामी के खाते में जा रही है। भूमि राशि पोर्टल ने भुगतान के समय में कमी के साथ-साथ भ्रष्टाचार में भी कमी लायी है। —**नितिन गडकरी**

दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल रतन लाल ने ड्यूटी के दौरान अपनी जान गंवा दी, जब विरोध प्रदर्शन के नाम पर दंगाइयों ने 12 घंटे तक दिल्ली में प्रदर्शन किया। सर्वशक्तिमान उनके परिवार को इस क्षति को सहन करने की हिम्मत दें, ऐसी हमारी प्रार्थना है। समाज उनके परिवार के साथ दृढ़ता से खड़ा है। — **बी.एल. संतोष**

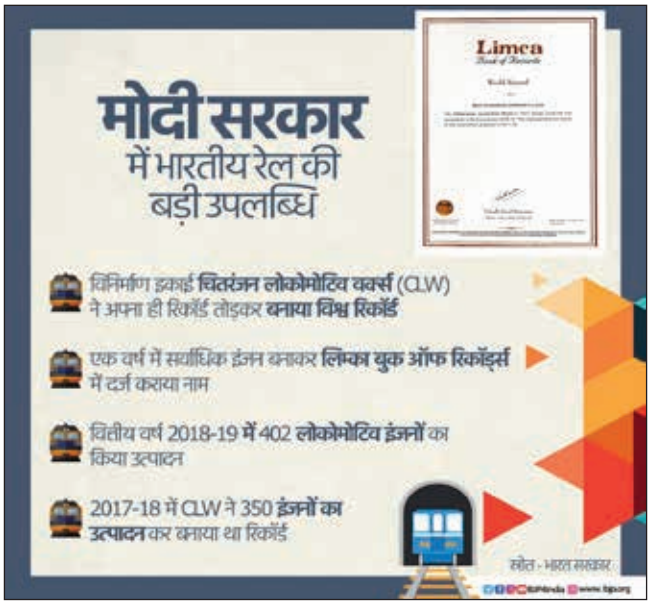

भारत-अमेरिका के गहरे होते रिश्ते

'नमस्ते ट्रंप' इतना भव्य कार्यक्रम रहा कि भारत एवं अमेरिका के लिए आने वाले समय में एक अविस्मरणीय आयोजन बन चुका है। अहमदाबाद की सड़कों पर जितनी भारी संख्या में लोग जुटे तथा हवाई अड्डे से साबरमती आश्रम तथा आश्रम से मोटेरा स्टेडियम तक के रास्ते में दोनों ओर खड़े होकर राष्ट्रपति ट्रंप, उनके परिवार एवं अन्य अतिथियों का जो दिल खोलकर भारतीयों ने स्वागत किया, वह अमेरिका के लोग शायद ही भूल पायें। मोटेरा स्टेडियम जो लोगों से पूरी तरह से भरा हुआ था, वहां उपस्थित 1.25 लाख लोगों ने जब बार-बार तालियों की गड़गड़ाहट से राष्ट्रपति ट्रंप, उनके परिवार एवं अन्य अतिथियों का स्वागत किया तब लगता था जैसे पूरा आसमान गुंजायमान हो रहा हो। इस पूरे कार्यक्रम के उत्साह एवं उमंग से विश्व के दो बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच बढ़ रहे परस्पर आदर एवं सद्भावना परिलक्षित हो रही थी। भारत के लोगों ने दिल खोलकर अपने अमेरिकी अतिथियों का स्वागत कर अमेरिका की जनता को अपनी मित्रता एवं प्रेम का संदेश दिया है।

आज भारत एवं अमेरिका के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग तो बढ़ ही रहा है साथ ही एक-दूसरे के प्रति आदर का भाव भी गहरा हो रहा है। भारत न केवल विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि लोकतांत्रिक सिद्धांतों एवं मूल्यों पर अडिग रहकर इसने संपूर्ण विश्व के समक्ष एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत आतंकवाद के हमलों का शुरू से ही सामना करता रहा, जबकि अमेरिका को भी 9/11 आतंकवादी हमला सहना पड़ा, जिससे इन दोनों देशों के मन में कोई भी संशय नहीं कि आतंकवाद पूरे विश्व में मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है। भारत और अमेरिका वैश्विक मंचों पर आतंकवाद रोकने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसका एक बड़ा श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को जाता है जिन्होंने हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर इसे प्रमुख विषय बनाया। यह इसका ही परिणाम है कि आज आतंकवादी संगठनों को पनाह या आर्थिक सहयोग देने के खिलाफ पूरा विश्व कड़ाई से पेश आ रहा है और पाकिस्तान को एफएटीएफ ने अपनी 'निगरानी सूची' में डाल रखा है। यह बहुत ही हर्ष की बात थी कि अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संबोधन में उग्र इस्लामी आतंकवाद के खतरे का विशेष रूप से उल्लेख किया, जिससे इस विषय पर भारत के दृष्टिकोण को विश्व-स्तर पर बल मिला है।

आज भारत एवं अमेरिका के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग तो बढ़ ही रहा है साथ ही एक-दूसरे के प्रति आदर का भाव भी गहरा हो रहा है।

भारत एवं अमेरिका के बीच 3 बिलियन डॉलर के रक्षा-सौदा ने दोनों देशों के रिश्ते को और मजबूत किया है। तेल एवं प्राकृतिक गैस पर हुए समझौते से आने वाले दिनों में दोनों देश और भी अधिक करीब आयेंगे। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत एवं अमेरिका के बीच साझेदारी करने के लिए एक बहुत व्यापक एवं अत्यंत विविध क्षेत्र उपलब्ध है जिस पर दोनों देश का नेतृत्व दीर्घकालिक भागीदारी कर सकता है। स्वास्थ्य पर हुआ समझौता इसी दिशा की ओर इंगित करता है कि दोनों देश भागीदारी के नए क्षेत्र तलाश सकते हैं। ऐसे प्रयास निस्संदेह स्वागत योग्य हैं जिससे विभिन्न क्षेत्रों में भारत-अमेरिका साझेदारी बढ़े तथा ऊर्जा, अंतरिक्ष, रक्षा, शिक्षा, नवाचार, उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में दोनों देश के रिश्ते और भी अधिक गहरे हों। भारत एवं अमेरिका के विविध क्षेत्रों में करीब आना न केवल इन दोनों देशों के परस्पर हित में होगा, बल्कि पूरे विश्व एवं मानवता के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने में भी सहायक होगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप दूरदृष्टि से के गहरे होते परस्पर विश्वास, समझदारी, आदर एवं परस्पर भ्रातृभाव के आधार पर दीर्घकालिक भागीदारी सुनिश्चित होगी। भारत-अमेरिका कांप्रिहेंसिव ग्लोबर पार्टनरशिप के मजबूत होने से दोनों देशों के मध्य सद्भाव एवं परस्पर विश्वास बढ़ा है। भारत एवं अमेरिका के गहरे होते रिश्ते से भारत-प्रशांत क्षेत्र में निश्चित रूप से शांति एवं समृद्धि में सहायता मिलेगी। एक व्यापक व्यापार समझौते की ओर इशारा, संयुक्त राष्ट्र में सुधार, संयुक्त राष्ट्र रक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता, भारत का न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप में प्रवेश जैसे विषयों पर अमेरिका की स्थिति स्पष्ट होने से भारत-अमेरिका संबंधों को बहुत बल मिला है। इसमें कोई संदेह नहीं कि विभिन्न क्षेत्रों में भारत-अमेरिका संबंधों को सुदृढ़ करने का समय अब आ चुका है। 'नमस्ते ट्रंप' से भारत-अमेरिका के लोगों के बीच साझीदारी, सद्भाव, आदर एवं परस्पर विश्वास के बंधन और अधिक सुदृढ़ होंगे। ■

shivshakti@kamalsandesh.org

कट्टर इस्लामी आतंकवाद से लोगों काम कर रहे हैं भारत अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे. ट्रंप ने 24-25 फरवरी को भारत की ऐतिहासिक यात्रा की। वे 24 फरवरी को अहमदाबाद पहुंचे। वहां पर लाखों लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। इसी दिन वे परिवार के साथ ताजमहल देखने आगरा गए। 25 फरवरी को दिल्ली में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रंप और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे. ट्रंप ने 24-25 फरवरी, 2020 के दौरान भारत की पहली राजकीय यात्रा की। इस यात्रा के प्रथम चरण में श्री ट्रंप 24 फरवरी को अहमदाबाद पहुंचे। श्री ट्रंप, उनकी पत्नी श्रीमती मेलानिया, पुत्री श्रीमती इवांका और दामाद श्री जेरेड कुश्नर को लेकर एयर फोर्स वन विमान सरदार वल्लभ भाई पटेल हवाई अड्डे पर उतरा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप का स्वागत किया।

अहमदाबाद में शंख-ढोलक सांस्कृतिक प्रस्तुति से राष्ट्रपति ट्रंप का शानदार स्वागत

अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे. ट्रंप और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 22 किलोमीटर लम्बा रोड शो किया। हवाई अड्डे से ट्रंप दंपती राष्ट्रपिता महात्मा गांधी से जुड़े महत्वपूर्ण स्थल साबरमती आश्रम पहुंचे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पहले ही साबरमती आश्रम पहुंच गए थे।

वहां पहुंचने पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति और उनकी पत्नी को आश्रम का भ्रमण कराया। राष्ट्रपति श्री ट्रंप और

की रक्षा के लिए : डोनाल्ड ट्रंप

उनकी पत्नी श्रीमती मेलानिया ने साबरमती आश्रम में चरखा चलाया।

श्री मोदी ने श्री ट्रंप और उनकी पत्नी को 'हृदय कुंज' भी दिखाया जहां गांधीजी और उनकी पत्नी कस्तूरबा रहती थीं। इस आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अपने जीवन के 13 साल बिताए थे। वहां से रवाना होने से पहले श्री ट्रंप ने आश्रम में आगंतुक पुस्तिका में लिखा, ''मेरे अच्छे मित्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, इस शानदार यात्रा के लिये आपको धन्यवाद।''

अमेरिकी राष्ट्रपति को आश्रम में महात्मा गांधी और आत्मनिर्भरता में चरखा के महत्व के बारे में बताया गया। श्रीमती मेलानिया ने श्री ट्रंप को चरखा चलाने में मदद की। दोनों वहां करीब 15 मिनट रुके। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने श्री ट्रंप को गांधीजी के तीन बंदरों का संदेश देने वाली प्रतिकृति भी भेंट की ।

साबरमती आश्रम से राष्ट्रपति श्री ट्रंप का काफिला रोड शो से गुजरता हुआ नवनिर्मित मोटेरा क्रिकेट स्टेडियम की ओर रवाना हुआ। 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम के लिये मोटेरा स्टेडियम के मार्ग पर लोग कतारबद्ध होकर उनका स्वागत कर रहे थे। स्टेडियम जाने वाले रास्ते पर दोनों ओर लोग खड़े थे तथा हाथों में तिरंगा और अमेरिकी ध्वज लेकर राष्ट्रपति ट्रंप का स्वागत कर रहे थे। मोटेरा स्टेडियम के रास्ते पर लोक नर्तक, गायक रंगारंग प्रस्तुति दे रहे थे। कई स्थानों पर शंख एव ढोल बजाए जा रहे थे।

मोटेरा स्टेडियम में एक लाख से अधिक लोग मौजूद थे, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम को संबोधित किया। स्टेडियम में रंग-बिरंगे कपड़े पहने और टोपी लगाए लोगों ने हर्ष ध्वनि से दोनों नेताओं का स्वागत किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर पहली बार भारत आए श्री ट्रंप ने अपने विमान से हिन्दी में ट्वीट किया कि वह भारत आने को उत्सुक हैं और कुछ ही देर में वह सबसे मुलाकात करेंगे। इसका जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "अतिथि देवो भवः।"

अमेरिका हमेशा भारत का 'वफादार' दोस्त बना रहेगा: डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप ने 24 फरवरी को कहा कि भारत और अमेरिका कट्टरपंथी इस्लामिक आतंकवाद की धमकियों से अपने लोगों की रक्षा करने के लिए काम कर रहे हैं। श्री ट्रंप ने इसी क्रम में एक 'शानदार' कारोबारी समझौते की दिशा में बढ़ने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका देश भारत से प्यार करता है और हमेशा उसका 'वफादार' दोस्त बना रहेगा।

श्री ट्रंप ने कहा, ''हमारी सीमाएं आतंकवादियों और आतंकवाद तथा किसी भी तरह के चरमपंथ के लिये हमेशा बंद रहेंगी। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं कि जो हमारे नागरिकों के लिये खतरा पैदा करते हैं, उन्हें प्रवेश नहीं मिले और उन्हें इसकी भारी कीमत चुकानी पड़े।''

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गृह नगर में अपने करीब 30 मिनट के भाषण में ट्रंप ने कहा, ''प्रत्येक देश को सुरक्षित और नियंत्रित सीमा का अधिकार है। अमेरिका और भारत आतंकवाद को रोकने और ऐसी विचारधारा से लड़ने के लिये प्रतिबद्ध हैं।"

अपनी दो दिवसीय भारत यात्रा पर अहमदाबाद पहुंचने पर श्री ट्रंप ने मोटेरा स्टेडियम में आयोजित 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम को संबोधित करते कहा कि उनका प्रशासन आतंकवादी संगठनों पर नकेल कसने और पाकिस्तान की धरती से संचालित आतंकवादियों की धरपकड़ के लिए पाकिस्तान के साथ 'काफी सकारात्मक' तरीके से काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ उनके देश के संबंध अच्छे हैं। उन्होंने दक्षिण एशिया में तनाव में कमी, वृहद स्थिरता और सौहार्दपूर्ण भविष्य की कामना की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत और

अमेरिका के बीच स्वाभाविक और स्थायी मित्रता है। भारत व्यक्तिगत स्वतंत्रता, कानून के शासन, हर इंसान की गरिमा का सम्मान करता है और यहां लोग सौहार्द के साथ अपने धर्म का पालन कर सकते हैं।"

उन्होंने कहा कि हिंदू, मुस्लिम, ईसाई और यहूदी, अमीर और गरीब सभी भारतीयों को अपने गौरवपूर्ण इतिहास और उज्ज्वल भविष्य पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम दुनियाभर में अपने गठबंधनों में तेजी से नई जान फूंक रहे हैं।

श्री ट्रंप ने कहा, ''पांच महीने पहले, अमेरिका ने आपके प्रधानमंत्री का एक विशाल फुटबाल स्टेडियम में स्वागत किया था और अब आपने हमारा स्वागत दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में किया। इस शानदार स्वागत के लिए आपका धन्यवाद। आपका यह भव्य आतिथ्य हम कभी नहीं भूल पाएंगे।"

अपने भाषण में ट्रंप ने कहा, ''हमारे देशों के बहुत से मतभेद हैं लेकिन दोनों एक मूलभूत सत्य से परिभाषित और संचालित होते हैं और वह सत्य है- हम सभी को दिव्य रौशनी का आशीर्वाद मिला है और हर इंसान के भीतर एक पवित्र आत्मा है।" उन्होंने स्वामी विवेकानंद को उद्धृत करते हुए यह बात कही।

अपने भाषण में श्री ट्रंप ने श्री मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इस बात का 'जीवंत प्रमाण' हैं कि एक भारतीय अपनी कड़ी मेहनत से क्या कुछ हासिल कर सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री के जीवन की उस सादगी का भी जिक्र किया जब वह चाय बेचा करते थे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम में श्री मोदी के कामों का उल्लेख करते हुए कहा कि अगले 10 साल में आपके देश से अत्यधिक गरीबी दूर हो जाएगी।

मोदी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए श्री ट्रंप ने कहा कि 32 करोड़ भारतीय अब इंटरनेट से जुड़े हैं, राजमार्गों के निर्माण की गति दोगुनी हो गई है, 7 करोड़ परिवारों रसोई गैस तक पहुंच हो गई है और 60 करोड़ लोग बुनियादी स्वच्छता सुविधा से जुड़ गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के लिये क्षमता अभूतपूर्व है। भारत के समृद्ध और आत्मनिर्भर देश के रूप में उठना दुनिया भर में सभी देशों के लिये उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि भारत को बेहतर भविष्य को आकार देने के लिये महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, क्योंकि वह समस्याओं के समाधान एवं शांति के लिये बड़ी जिम्मेदारी लेता है।

उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में कहा, ''नमस्ते, यहां होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है।" श्री ट्रंप ने कहा कि फर्स्ट लेडी और मैं 8000 मील की यात्रा करके यहां आए हैं और यह संदेश देने आए हैं कि अमेरिका भारत को पसंद करता है, अमेरिका भारत का सम्मान करता है और अमेरिका, भारत का निष्ठावान एवं वफादार मित्र बना रहेगा।'' उन्होंने कहा कि दोनों देश एक 'शानदार कारोबार समझौते' पर काम कर रहे हैं। हालांकि वह (मोदी) सौदेबाजी में बहुत सख्त हैं।

उन्होंने आतंकवाद को काबू में करने में प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की सराहना की।

भारत की सांस्कृतिक विविधता और समृद्धि का जिक्र करते हुए श्री ट्रंप ने कहा कि डीडीएलजे जैसी बेहतरीन रोमांटिक फिल्मों सहित भारत में हर साल 2000 फिल्में बनाई जाती हैं। इसी कड़ी में उन्होंने शोले फिल्म के साथ ही खेल महानायकों श्री सचिन तेंदुलकर और श्री विराट कोहली का भी जिक्र किया। उन्होंने अपने संबोधन में दिवाली और होली जैसे भारतीय त्योहारों का जिक्र किया। ■

आगरा में अमेरिकी राष्ट्रपति का हुआ भव्य स्वागत

अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी श्रीमती मेलानिया ट्रंप 24 फरवरी को ताजमहल देखने आगरा पहुंचे। हवाई अड्डे पर अमेरिकी नेता का भव्य स्वागत किया गया। सैकड़ों कलाकारों ने श्री ट्रंप के स्वागत में उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति को दर्शाते हुए शानदार प्रस्तुति दी। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेरिया एयरबेस पर श्री ट्रंप की अगवानी की।

एक विशालकाय होर्डिंग में श्री ट्रंप, उनकी पत्नी श्रीमती मेलानिया ट्रंप को प्रधानमंत्री श्री मोदी की ओर से दिए गए एक स्वागत संदेश में लिखा हुआ था- 'सिटी ऑफ लव' आगरा में भारत के सबसे अच्छे दोस्त का भव्य स्वागत।'

श्री ट्रंप के एयरबेस पहुंचने पर उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आए 250 से अधिक कलाकारों ने ढोल, नगाड़े और मृदंग की मधुर ध्वनियों के बीच 'मयूर नृत्य', 'राई लोक नृत्य', 'धोबिया लोक नृत्य', 'बमरसिया' नृत्य प्रस्तुत किया, जिससे यहां उत्सव का माहौल बन गया।

राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में नया अध्याय: नरेन्द्र मोदी

भारत और अमेरिका नैसर्गिक सहयोगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा को भारत और अमेरिका के संबंधों में नया अध्याय करार देते हुए 24 फरवरी को कहा कि यह दोनों देशों के लोगों की प्रगति और समृद्धि का एक नया दस्तावेज बनेगा।

अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में श्री ट्रंप और उनकी पत्नी श्रीमती मेलानिया के स्वागत में आयोजित 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, ''भारत-अमेरिका के संबंध अब केवल गठजोड़ तक ही नहीं हैं। यह इससे काफी आगे और करीबी रिश्ते हैं।''

श्री मोदी ने कहा, ''21वीं सदी में, नए गठबंधन, नयी प्रतिस्पर्धाएं, नयी चुनौतियां और नए अवसर बदलाव की नींव रख रहे हैं। हम दीर्घकालिक सोच से प्रेरित हैं, अल्पकालिक विचार से नहीं। हमारे द्विपक्षीय संबंध और आगे बढ़ेंगे, हमारे आर्थिक गठजोड़ बेहतर होंगे और हमारा डिजिटल सहयोग व्यापक होगा।'' उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध और सहयोग की, 21वीं सदी के विश्व की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''मेरा स्पष्ट मत है कि भारत और अमेरिका नैसर्गिक सहयोगी हैं। हम सिर्फ हिन्द प्रशांत क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में शांति, प्रगति और सुरक्षा में एक प्रभावी योगदान दे सकते हैं।"

दोनों देशों के मजबूत संबंधों का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि आज जो देश भारत का सबसे बड़ा कारोबारी सहयोगी है, वह है अमेरिका। आज भारत की सेनाएं सबसे ज्यादा युद्ध अभ्यास अमेरिका के साथ कर रही हैं। भारत का सबसे व्यापक अनुसंधान एवं विकास गठजोड़ अमेरिका के साथ है।

उन्होंने कहा कि और इसलिए वह मानते हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप का इस दशक की शुरुआत में ही भारत आना, एक बहुत बड़ा अवसर है। श्री मोदी ने कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा भारत और अमेरिका के संबंधों का नया अध्याय है, एक ऐसा अध्याय, जो अमेरिका और भारत के लोगों की प्रगति और समृद्धि का एक नया दस्तावेज बनेगा।'

उन्होंने कहा कि आज 130 करोड़ भारतवासी मिलकर न्यू इंडिया का निर्माण कर रहे हैं। हमारी युवा शक्ति आकांक्षाओं से भरी हुई है। बड़े लक्ष्य रखना, उन्हें प्राप्त करना, आज न्यू इंडिया की पहचान बन रहा है।

केन्द्र सरकार के कार्यों का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा

कि आज भारत में दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम ही नहीं है, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना भी चल रही है। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा सोलर पार्क ही नहीं बन रहा, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता कार्यक्रम भी चल रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत एक साथ सबसे ज्यादा उपग्रह भेजने का विश्व रिकार्ड ही नहीं बना रहा बल्कि सबसे तेज वित्तीय समावेशन का भी विश्व रिकॉर्ड बना रहा है। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देश साझी उद्यमिता और नवोन्मेष के भाव, साझे अवसर एवं चुनौतियों और साझी उम्मीदों एवं आकांक्षाओं को लेकर आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के लोगों की सबसे बड़ी ताकत आपसी विश्वास है। उन्होंने एक पुरानी कहावत को उद्धृत करते हुए कहा कि मित्रता वहीं होती है, जहां विश्वास अटूट हो। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच विश्वास और मजबूत हुआ है और ऐतिहासिक ऊंचाइयों तक पहुंचा है। श्री मोदी ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में ट्रंप प्रशासन के कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि आज मोटेरा स्टेडियम में एक नया इतिहास बन रहा है, आज हम इतिहास को दोहराते हुए भी देख रहे हैं। श्री मोदी ने कहा, "एकता और विविधता भारत और अमेरिका के बीच मजबूत रिश्ते का आधार है। एक मुक्त भूमि का देश है, तो दूसरा पूरे विश्व को एक परिवार मानता है।" प्रधानमंत्री ने कहा कि एक को स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी पर गर्व है तो दूसरे को, दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा- सरदार पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा भारत और अमेरिका के संबंधों का नया अध्याय है, एक ऐसा अध्याय, जो अमेरिका और भारत के लोगों की प्रगति और समृद्धि का एक नया दस्तावेज बनेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, ''इस कार्यक्रम का नाम 'नमस्ते ट्रंप' है और नमस्ते का मतलब भी बहुत गहरा है। यह दुनिया की प्राचीनतम भाषाओं में से एक, संस्कृत का शब्द है। इसका भाव है कि सिर्फ व्यक्ति को ही नहीं, उसके भीतर व्याप्त अध्यात्म को भी नमन।"

श्री मोदी ने कहा कि प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप का यहां होना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, ''स्वास्थ्य और खुशहाल अमेरिका के लिए आपने जो किया है, उसके अच्छे परिणाम मिल रहे हैं। समाज में बच्चों के लिए आप जो कर रही हैं, वह प्रशंसनीय है।" मोटेरा स्टेडियम में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा ''आप कल्पना कर सकते हैं कि वह (ट्रंप) अमेरिका से सीधे यहां पहुंचे हैं, इतनी लंबी यात्रा के बाद भी राष्ट्रपति ट्रम्प और उनका परिवार सीधे साबरमती आश्रम पहुंचा और उसके बाद यहां आया।'' श्री मोदी ने समारोह में मौजूद ट्रंप की पुत्री श्रीमती इवांका, दामाद श्री जेरेड कुश्नर का भी स्वागत किया। ■

डोनाल्ड ट्रंप, मेलानिया राजघाट गए, बापू को पुष्पांजलि अर्पित की

अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप और उनकी पत्नी श्रीमती मेलानिया ने 25 फरवरी को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के समाधि स्थल राजघाट गए और पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने राजघाट में आगंतुक पुस्तिका में संदेश भी लिखा। राजघाट के परिसर में ट्रंप ने एक पौधा भी लगाया। वहां उन्हें महात्मा गांधी की एक प्रतिमा भी भेंट की गई। राजघाट पर राष्ट्रपति श्री ट्रंप के साथ केंद्रीय मंत्री श्री हरदीप सिंह पुरी मौजूद थे।

भारत और अमेरिका के बीच 3 अरब डॉलर का रक्षा समझौता

भारत और अमेरिका ने 25 फरवरी को 3 अरब डालर का रक्षा समझौता किया तथा तीन समझौता पत्रों पर हस्ताक्षर किये जिसमें से एक समझौता ऊर्जा क्षेत्र से संबंधित है। इन समझौते में अमेरिका से 24 एमएच-60 रोमियो हेलिकॉप्टर और 6 एच 64ई अपाचे हेलिकॉप्टर भारत लेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल के बीच हैदराबाद हाउस में हुई बातचीत में इस रक्षा समझौते पर सहमति बनी।

24 एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टर से भारतीय नौसेना की ताकत में वृद्धि होगी। भारतीय नौसेना इस तरह के मल्टीरोल हेलीकॉप्टर की मांग बहुत पहले से कर रही थी। 6 एएच 64ई अपाचे हेलीकॉप्टर से भारतीय वायुसेना की ताकत में और भी वृद्धि होगी। एएच 64 ई अपाचे विश्व के अत्याधुनिक बहु-उपयोगी युद्धक हेलीकॉप्टरों में से एक है।

'भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' पर जोर

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति माननीय डोनाल्ड जे. ट्रंप 24-25 फरवरी, 2020 के दौरान भारत के राजकीय दौरे पर रहे। इस यात्रा के दौरान 25 फरवरी को भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य जारी किया गया, जिसकी प्रमुख बातें निम्न हैं :

व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी

संप्रभु एवं जीवंत लोकतंत्र के राजनेताओं के रूप में स्वतंत्रता, सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार, मानवाधिकार और कानून के शासन के लिए प्रतिबद्धता को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने का संकल्प व्यक्त किया जो पारस्परिक विश्वास, साझा हितों, सदभाव और दोनों देशों के नागरिकों की मजबूत सहभागिता पर आधारित है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने विशेषकर समुद्र एवं अंतरिक्ष के क्षेत्र में ज्यादा जागरूकता व सूचनाओं को साझा करने; सैन्य समन्वय कर्मियों के आदान-प्रदान; सभी सेवाओं एवं विशेष बलों के बीच बेहतर प्रशिक्षण एवं विस्तृत अभ्यासों; उन्नत रक्षा कलपुर्जों, उपकरणों एवं प्लेटफॉर्मों के सह-विकास एवं सह-उत्पादन में घनिष्ठ सहयोग; तथा दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच साझेदारी के जरिये रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग को और भी अधिक बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया।

राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने यह बात रेखांकित की कि एक मजबूत एवं सक्षम भारतीय सेना हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति, स्थिरता एवं कानून आधारित व्यवस्था की हिमायत करती है। इसके साथ ही राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने अमेरिका की उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी को भारत को हस्तांतरित करने को अपना समर्थन व्यक्त करते हुए अपने संकल्प की फिर से पुष्टि की।

राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने एमएच-60आर नौसेना और एएच-64ई अपाचे हेलिकॉप्टरों को खरीदने संबंधी भारत के हालिया निर्णय का स्वागत किया। इन क्षमताओं से साझा सुरक्षा हितों, रोजगारों में वृद्धि और दोनों देशों के बीच औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। भारत नई रक्षा क्षमताओं को हासिल करने के लिए प्रयासरत है, अतः इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने एक प्रमुख रक्षा साझेदार के रूप में भारत के दर्जे की फिर से पुष्टि की जिसके तहत खरीद एवं प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए इसे सर्वाधिक तरजीह देने पर विचार किया जाएगा। दोनों राजनेताओं ने जल्द ही रक्षा सहयोग होने की उम्मीद जताई जिससे बुनियादी आदान-प्रदान एवं सहयोग करार सहित विभिन्न समझौते होने का मार्ग प्रशस्त होगा।

अंतरराष्ट्रीय अपराधों से निपटने के लिए संयुक्त प्रयास

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने सहयोग के जरिये अपने-अपने देशों की सुरक्षा बढ़ाने तथा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अपराधों जैसे कि मानव तस्करी, आतंकवाद एवं हिंसक उग्रवाद, नशीली दवाओं की तस्करी एवं साइबरस्पेस से जुड़े अपराधों से संयुक्त तौर पर निपटने का संकल्प व्यक्त किया।

दोनों राजनेताओं ने अपने-अपने देशों की सुरक्षा से जुड़े संवाद में नई तेजी लाने के बारे में अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग और भारत के गृह मंत्रालय द्वारा लिए गए निर्णय का स्वागत किया। नशीली दवाओं से दोनों देशों के नागरिकों को होने वाले खतरे से निपटने से जुड़ी अपनी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए दोनों राजनेताओं ने अपने यहां की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच एक नया नशीली दवा रोधी कार्यदल बनाने की

अपनी मंशा की घोषणा की।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने भारत एवं अमेरिका के बीच रिश्तों के व्यापार एवं निवेश आयाम के साथ-साथ दीर्घकालिक व्यापार स्थिरता की आवश्यकता के बढ़ते महत्व को स्वीकार किया जिससे अमेरिकी एवं भारतीय दोनों ही अर्थव्यवस्थाएं लाभान्वित होंगी। दोनों राजनेताओं ने वर्तमान में जारी वार्ताओं को जल्द पूरा करने पर सहमति जताई। दोनों राजनेताओं को उम्मीद है कि ये वार्ताएं एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते का प्रथम चरण हो सकती हैं जो द्विपक्षीय वाणिज्यिक संबंधों और दोनों देशों में समृद्धि, निवेश एवं रोजगार सृजन में वृद्धि करने की सही महत्वाकांक्षा तथा पूर्ण क्षमता को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में व्यापार एवं निवेश के लिए भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती सहभागिता का स्वागत किया। अपनी रणनीतिक ऊर्जा साझेदारी के जरिये भारत और अमेरिका ऊर्जा सहयोग बढ़ाने, संबंधित ऊर्जा सेक्टरों में ऊर्जा एवं नवाचार संबंधी सहभागिता का विस्तार करने, रणनीतिक सामंजस्य बढ़ाने तथा उद्योग जगत एवं अन्य हितधारकों के बीच सहभागिता को और अधिक सुविधाजनक बनाने के इच्छुक हैं।

हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में बढ़ती सहभागिता

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने कोकिंग/धातुकर्म कोयला एवं प्राकृतिक गैस के लिए अपने आयात आधार में विविधता लाने संबंधी भारत के लक्ष्य को पूरा करने में अमेरिका के सक्षम होने की बात को रेखांकित किया। इसके तहत दोनों राजनेताओं ने उन हालिया वाणिज्यिक व्यवस्थाओं का स्वागत किया जिनका उद्देश्य भारतीय बाजार में एलएनजी की पहुंच में तेजी लाना है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने जल्द से जल्द भारत में 6 परमाणु रियक्टरों के निर्माण हेतु तकनीकी-वाणिज्यिक पेशकश को अंतिम रूप देने के लिए न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड तथा वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कंपनी को प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में अपने दीर्घकालिक और व्यावहारिक सहयोग पर संतोष व्यक्त किया। दोनों राजनेताओं ने विश्व के प्रथम 'दोहरी आवृत्ति सिंथेटिक एपर्चर रडार उपग्रह' वाले संयुक्त मिशन को वर्ष 2022 में शुरू करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के प्रयासों का स्वागत किया।

दोनों राजनेताओं ने उन परिचर्चाओं की सराहना की जिनसे पृथ्वी के अवलोकन, मंगल एवं अन्य ग्रहों की खोज, हेलियोफिजिक्स, मानव की अंतरिक्ष यात्रा में सहयोग के साथ-साथ वाणिज्यिक अंतरिक्ष सहयोग को भी बढ़ावा मिलता है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के साथ-साथ शैक्षणिक आदान-प्रदान के अवसरों को भी बढ़ाने की इच्छा जताई। 'युवा अन्वेषक' इंटर्नशिप के जरिये शैक्षणिक सहयोग बढ़ाना भी इसमें शामिल है। दोनों राजनेताओं ने अमेरिका में भारतीय विद्यार्थियों की संख्या में हाल ही में हुई वृद्धि का स्वागत किया।

नोवल कोविड-19 जैसी विभिन्न बीमारियों की रोकथाम, पहचान एवं इन्हें न फैलने देने के लिए विश्व स्तर पर किए जा रहे प्रयासों का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने इनमें अपने सफल योगदान को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई।

दोनों राजनेताओं ने उस द्विपक्षीय सहमति पत्र (एमओयू) की सराहना की, जिसका उद्देश्य भारत एवं अमेरिका के ग्राहकों तक गुणवत्तापूर्ण, सुरक्षित, कारगर और किफायती दवाओं एवं चिकित्सा की पहुंच को बढ़ावा देना है। दोनों राजनेताओं ने उस एमओयू का स्वागत किया जिससे दोनों ही देशों को अपने अभिनव तरीकों के जरिये मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक सामंजस्य

भारत और अमेरिका के बीच घनिष्ठ साझेदारी एक खुले, मुक्त, समावेशी, शांतिपूर्ण एवं समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस सहयोग को आसियान की केंद्रिता को स्वीकार करने; अंतरराष्ट्रीय कानून एवं सुशासन का पालन करने; नौवहन की सुरक्षा एवं स्वतंत्रता, समुद्र के ऊपर उड़ानों एवं समुद्र के अन्य वैध उपयोगों के लिए समर्थन; निर्बाध वैध वाणिज्य और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार समुद्री विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की हिमायत के जरिये रेखांकित किया जाता है।

अमेरिका हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा मुहैया कराने के साथ-साथ विकास एवं मानवीय सहायता प्रदान करने में भारत की भूमिका की सराहना करता है। भारत और अमेरिका इस क्षेत्र में सतत, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण अवसंरचना विकास के लिए अब भी प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने भारत में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास वित्त निगम (डीएफसी) द्वारा 600 मिलियन डॉलर की वित्त पोषण संबंधी सुविधा देने की घोषणा के साथ-साथ इस वर्ष भारत में अपना स्थायी कार्यालय खोलने संबंधी डीएफसी के निर्णय का भी स्वागत किया।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ-साथ विश्व स्तर पर विकास संबंधी कारगर समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए अपने-अपने देशों की साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप तीसरे अथवा अन्य देशों में सहयोग के लिए 'यूसेड'और भारत के विकास साझेदारी प्रशासन के बीच एक नई साझेदारी के लिए तत्पर हैं।

भारत एवं अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में एक सार्थक आचार-संहिता की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को ध्यान में रखा और इसके साथ ही उन्होंने पूरी गंभीरता के साथ अनुरोध करते हुए कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार सभी राष्ट्रों के वैध अधिकारों एवं हितों के लिए पक्षपातपूर्ण नहीं होना चाहिए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने भारत-अमेरिका-जापान त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलनों; भारत एवं अमेरिका के विदेश व रक्षा मंत्रियों की 2+2 मंत्रिस्तरीय बैठक व्यवस्था और भारत-अमेरिका-ऑस्ट्रेलिया-जापान चतुष्कोणीय परामर्श, इत्यादि के जरिये पारस्परिक सलाह-मशविरा को मजबूत करने का निर्णय लिया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप अमेरिका, भारत एवं अन्य साझेदारों के बीच समुद्री क्षेत्र संबंधी विशिष्ट जानकारियों को और भी अधिक साझा करने के लिए तत्पर हैं।

वैश्विक नेतृत्व के लिए साझेदारी

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को सुदृढ़ करने एवं इनमें सुधार लागू करने और इनकी अखंडता सुनिश्चित करने के लिए आपस में मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र की पुनर्गठित सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अमेरिका की ओर से समर्थन देने की फिर से पुष्टि की। यही नहीं, उन्होंने बिना किसी देरी के परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह में भारत के प्रवेश को अमेरिका की ओर से समर्थन देने की भी फिर से पुष्टि की।

भारत और अमेरिका ने यह माना कि विकासशील एवं कम आय वाले देशों में संप्रभु (सॉवरेन) ऋण को बढ़ने से रोकने हेतु कर्जदारों एवं कर्जदाताओं के लिए उत्तरदायी, पारदर्शी एवं टिकाऊ वित्त पोषण के तौर-तरीकों को सुनिश्चित करना आवश्यक है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने एक बहु-हितधारक पहल 'ब्लू डॉट नेटवर्क' की अवधारणा में रुचि दिखाई, जो वैश्विक अवसंरचना के विकास हेतु उच्च गुणवत्ता वाले विश्वसनीय मानकों को बढ़ावा देने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र और सिविल सोसायटी को एकजुट करेगा।

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने वित्त, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन संबंधी पहलों के जरिये महिलाओं एवं बालिकाओं की शिक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के महत्व को रेखांकित किया।

दोनों राजनेताओं ने इसके तहत अमेरिका की 'महिलाओं का वैश्विक विकास एवं समृद्धि (डब्ल्यू-जीडीपी) पहल' और भारत सरकार के 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम की तर्ज पर अर्थव्यवस्था में महिलाओं एवं बालिकाओं की पूर्ण और मुक्त सहभागिता को बढ़ावा देने के उपायों पर भी अमल करने पर विशेष बल दिया।

भारत और अमेरिका सुरक्षित व समृद्ध अफगानिस्तान के पक्ष में

भारत और अमेरिका दोनों ही एकजुट, संप्रभु, लोकतांत्रिक, समावेशी, स्थिर एवं समृद्ध अफगानिस्तान के पक्ष में हैं। दोनों ही देश अफगानिस्तान की अगुवाई एवं अफगानिस्तान के स्वामित्व में शांति एवं सुलह की ऐसी प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं जिससे शांति निरंतर बनी रहे, हिंसा का माहौल न रहे, आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाह नष्ट हों और पिछले 18 वर्षों के दौरान हासिल उपलब्धियां अक्षुण्ण रहें।

राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने अफगानिस्तान में स्थिरता सुनिश्चित करने एवं कनेक्टिविटी प्रदान करने में मदद के लिए विकास एवं सुरक्षा सहायता को निरंतर जारी रखने में भारत द्वारा निभाई गई भूमिका का स्वागत किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रंप ने आतंकवादी संबंधी छद्म (प्रॉक्सी) के किसी भी तरह के उपयोग की निंदा की तथा इसके साथ ही उन्होंने सीमा पार आतंकवाद के सभी स्वरूपों की भी कड़े शब्दों में निंदा की।

दोनों राजनेताओं ने पाकिस्तान से यह सुनिश्चित करने को कहा कि उसके नियंत्रण वाले किसी भी क्षेत्र का उपयोग आतंकवादी हमले शुरू करने के लिए नहीं किया जाए और 26/11 के मुंबई एवं पठानकोट सहित इस तरह के आतंकवादी हमलों को अंजाम देने वालों पर जल्द से जल्द शिकंजा कसा जाए।

दोनों राजनेताओं ने अलकायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, हिज्ब-उल मुजाहिदीन, हक्कानी नेटवर्क, टीटीपी, डी-कंपनी एवं उससे जुड़े सभी संगठनों सहित समस्त आतंकवादी गुटों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा।

भारत और अमेरिका एक ऐसे मुक्त, विश्वसनीय एवं सुरक्षित इंटरनेट के लिए प्रतिबद्ध हैं जिससे व्यापार एवं संचार में काफी आसानी होगी। भारत और अमेरिका ने एक ऐसा अभिनव डिजिटल परिवेश सुनिश्चित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया जो सुरक्षित एवं विश्वसनीय हो और जिससे सूचनाओं एवं डेटा का प्रवाह सुगम हो।

दोनों राजनेताओं ने रणनीतिक सामग्री एवं महत्वपूर्ण अवसंरचना की मुक्त, सुरक्षित एवं सुदृढ़ आपूर्ति करने और उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग से जुड़े जोखिमों का स्वतंत्रतापूर्वक आकलन करने के लिए दोनों देशों के उद्योग जगत एवं शिक्षाविदों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने की मंशा व्यक्त की। ■

हिमाचल प्रदेश

सीएए पर देश में अशांति फैला रहा विपक्षः जगत प्रकाश नड्डा

गत 27 एवं 28 फरवरी को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश का प्रवास किया। इस दौरान उनके निमित अभिनंदन समारोह आयोजित किए गए। उन्होंने संगठनात्मक बैठकों में भी सहभागिता की।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 27 फरवरी को कहा कि विपक्ष नागरिक संशोधन अधिनियम (सीएए) को मुद्दा बनाकर देश में अशांति का माहौल बना रहा है। उन्होंने कहा कि अधिनियम में देश के अल्पसंख्यकों के खिलाफ कुछ भी नहीं है और इसका उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के अल्पसंख्यकों की मदद करना है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार हिमाचल पहुंचे श्री नड्डा ने सोलन और शिमला में आयोजित अभिनंदन समारोह में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

श्री नड्डा ने कहा कि कार्यकर्ताओं की बदौलत ही भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। जिस पार्टी के 17 करोड़ सदस्य हों, उसके आगे न तो कोई टिक सकता है और न ही कोई आगे आ सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी के प्रति कभी लगाव कम नहीं हो, बस इसी बात का ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि अन्य पार्टियों के नेता भाजपा में आने के लिए तरस रहे हैं। उनके आने का एकमात्र कारण यह है कि वे एक ही पार्टी के परिवार के नारे लगाते-लगाते थक चुके हैं।

उन्होंने कहा कि देश में 2000 से अधिक राजनीतिक दल थे और उनमें से अधिकांश का नेतृत्व और संचालन एक राजनीतिक परिवार द्वारा किया गया था। भाजपा देश की एकमात्र राजनीतिक पार्टी है, जहां कोई भी कार्यकर्ता राष्ट्रीय अध्यक्ष और यहां तक कि प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी कि उन्हें भाजपा का नेतृत्व करने का अवसर मिलेगा। यह सब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कृपा और राज्य के लोगों के आशीर्वाद के कारण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि केंद्र में मजबूत नेतृत्व ने असंभव को संभव में बदल दिया है। धारा 370 अतीत की बात हो गई है और आज भारत वन नेशन विथ वन संविधान है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में बीडीसी के चुनाव हुए।

श्री नड्डा ने कहा कि विपक्ष नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर गैर जरूरी बयानबाजी कर रहा है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अधिनियम देश के अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं था, लेकिन इसका उद्देश्य पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के अल्पसंख्यकों की मदद करना है। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली सरकार राज्य

और उसके लोगों के कल्याण के लिए सराहनीय कार्य कर रही है। एक संवेदनशील और दूरदर्शी मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर की वजह से जनमंच, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और गृहिणी सुविधा योजना जैसे कार्यक्रम आम आदमी की जरूरतों और आकांक्षाओं को समझते हैं। राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को जनता के बीच प्रसारित करना प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता का कर्तव्य है।

झंडूता

प्रदेश में फिर से बनाएंगे सरकार: जयराम ठाकुर

मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर ने 28 फरवरी को झंडूता में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा के नागरिक अभिनंदन समारोह में कहा कि आने वाले समय में प्रदेश में फिर से सरकार बनाएंगे। हमारा रास्ता सीधा व पूरी तरह से साफ है। वर्ष 2022 के संकल्प को जनता जनार्दन के आशीर्वाद से पूरा करेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के लोग भाग्यशाली हैं कि नड्डा जी विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के अध्यक्ष बने हैं। यह सब उनके कठिन परिश्रम, समर्पण और प्रदेशवासियों के अथाह स्नेह के कारण संभव हुआ है। आज प्रदेश में छह मेडिकल कालेज हैं, जिनमें से चार श्री नड्डा के प्रयास से प्राप्त हुए। यही नहीं, उनके प्रयासों से ही प्रदेश को एम्स मिला, जिसका निर्माण बिलासपुर जिला में किया जा रहा है और आने वाले दो तीन महीनों में एम्स में ओपीडी शुरू हो जाएगी और उसके बाद कक्षाएं भी शुरू कर दी जाएंगी। इसी प्रकार ऊना में पीजीआई का सेटेलाइट सेंटर भी आने वाले समय में जनता को समर्पित होगा।

श्री ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जनता ने भाजपा को भरपूर सहयाग दिया है, जिसका स्पष्ट प्रमाण है कि भाजपा ने चारों लोकसभा सीटों पर रिकार्ड अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कहा कि भाजपा ने दोनों विधानसभा उपचुनावों पर भी जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि श्री जगत प्रकाश नड्डा के कुशल नेतृत्व में भाजपा नई ऊंचाइयां छुएगी।

श्री ठाकुर ने कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद तक श्री जेपी नड्डा का संघर्ष प्रेरणा देता है। छोटे से प्रदेश के लिए नड्डाजी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। काम से ज्यादा महत्त्वपूर्ण सम्मान होता है। अब बात सम्मान की भी है और स्वाभिमान की भी। हिमाचल व केंद्र में भाजपा की सरकारें हैं। सब जगह हम ही हम हैं। ऐसे में लंबे समय तक यही सम्मान रहना चाहिए।

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री श्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि श्री जगत प्रकाश नड्डा अपनी मेहनत और दूरदृष्टि के कारण एक के बाद एक पदों पर पहुंचते रहे हैं। यही वजह है कि आज वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी के अध्यक्ष पद का दायित्व निभा रहे हैं। हालांकि बड़े राज्यों को ही आज दिन तक बड़ी जिम्मेदारियां मिलती रही हैं, जबकि यह पहला मौका है, जब एक छोटे से प्रदेश को बहुत बड़ी जिम्मेदारी मिली है। यह प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

पीटरहॉफ

'हमें जनता से सीखना है'

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार शिमला पहुंचे श्री जगत प्रकाश नड्डा ने अपने नागरिक अभिनंदन के तुरंत बाद भाजपा के मंत्री-विधायकों व पूर्व प्रत्याशियों से बैठक की।

पीटरहाफ में आयोजित बैठक के दौरान श्री नड्डा ने पार्टी विधायकों और पूर्व प्रत्याशियों को संबोधित करते हुए कहा कि जनता को सिखाना नहीं, बल्कि उनसे सीखना है। ज्यादा से ज्यादा समय जनसेवा को समर्पित करें। उन्होंने कहा कि अब राजनीति के मायने बदलने लगे हैं। अब चुनावों में वही लोग होंगे, जो जनता के काम के लिए उनके घर-द्वार तक जाएंगे। इसलिए इस प्रथा को बंद किया जाए कि लोग अपने कामों के लिए नेताओं के चक्कर काटे। जनता को अपने कार्यों के लिए विधायक-मंत्री व पार्टी कंडीडेट अपने घर में बुलाए। बल्कि गांव-शहर जाकर जनता की समस्याओं का मौके पर निपटारा करें।

श्री नड्डा ने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र के हजारों लोगों ने अपना विधायक चुना है। इस कारण आप सभी को कई फोन आएंगे। सैकड़ों लोग हर दिन काम बताएंगे। इन सभी के फोन सुनना और काम करना बेशक आसान नहीं है, लेकिन प्रयास किया जाए कि ज्यादा से ज्यादा लोगों के फोन सुने और ज्यादा से ज्यादा काम हो सके। इसके लिए सभी को अपना शैडयूल तय करना होगा।

श्री नड्डा ने कहा कि प्रदेश की जयराम सरकार और केंद्र की मोदी सरकार ने जनहित में कई बेहतरीन योजनाएं आरंभ की है। सरकारों के पास बजट की कोई कमी नहीं है। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल सहित सभी मंत्री-विधायक व वर्ष 2017 विधानसभा चुनावों के प्रत्याशी उपस्थित रहे। ■

उत्कल राज्य सबसे अच्छा राज्य बने, इस दिशा में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे: अमित शाह

भारतीय जनता पार्टी द्वारा भुवनेश्वर में आयोजित नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इस कानून को लेकर विरोधी दल लोगों में भ्रांति फैलाने के साथ देश में दंगा फैलाने का काम कर रहे हैं, मगर प्रधानमंत्री मोदीजी ने मानव रक्षण का काम किया है। महात्मा गांधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, सरदार बल्लभ भाई पटेल ने जो सपना देखा था उसे साकार करने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है।

श्री शाह ने कहा कि विरोधी दल कह रहे हैं कि अल्पसंख्यकों का नागरिक अधिकार चला जाएगा, मैं फिर घोषणा करता हूं कि किसी भी भारतीय की नागरिकता नहीं जाने वाली है। सीएए नागरिकता देने का का कानून है ना कि नागरिकता लेने का।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 70 साल से अटके कई प्रश्नों का समाधान किया है। चाहे वह जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना हो या फिर तीन तलाक से मुस्लिम महिलाओं को मुक्ति दिलानी हो या फिर अयोध्या में श्रीराममंदिर के लिए तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट बनाना हो, हमारी सरकार ने ये सब करके दिखा दिया है।

श्री शाह ने इस अवसर पर कहा कि 2019 आम चुनाव के बाद पहली बार मैं ओडिशा आया हूं। ओडिशा के लोगों ने पूर्वोत्तर में भाजपा की जड़ को मजबूत किया है। लोकसभा में एक सांसद से आठ सांसद को जिताकार भेजा। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं ओडिशा में 91 लाख लोगों ने हमारी पार्टी को वोट दिया, जबकि बीजद को 1.1 करोड़ लोगों ने वोट दिया है। श्री शाह ने कहा कि ओडिशा में हमारी पार्टी का आधार अब तैयार हो गया है और अब हमें बस एक जंप लगाने की जरूरत है। श्री शाह ने कहा कि ओडिशा के विकास के लिए केंद्र सरकार कोई कसर छोड़ने वाली नहीं है।

श्री शाह ने कहा कि उनके लिए जैसे गुजरात है, वैसे ही ओडिशा भी है। उन्होंने कहा, 'मैं 5 साल तक पार्टी अध्यक्ष रहा हूं, अनेक बार ओड़िशा आया हूं और यहां के अनेक नगरों में घुमा हूं और कार्यकर्ताओं से मिला हूं। कभी भी ओड़िशा मुझे गुजरात से अलग नहीं लगा, मुझे अपना दूसरा घर लगा।'

उन्होंने इस अवसर पर केंद्र सरकार की विभिन्न जनहितकर योजनाओं को गिनाते हुए नवीन पटनायक से विकास में सहभागी बनने का आह्वान किया। श्री शाह ने कहा कि कांग्रेस ने 13वें वित्त आयोग में ओडिशा को 79 हजार करोड़ रुपया दिया था, जबकि मोदी सरकार ने दो लाख 11 हजार करोड़ रुपया दिया है। उन्होंने कहा कि उत्कल प्रदेश को देश का श्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए मोदी सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि श्री अमित शाह ने ओडिशा में सशक्त संगठन की नींव रख दी है। आज विरोधी दल का नेता भाजपा का है और जनता के हक को विधानसभा में उठा रहे हैं। मुझे विश्वास है कि लोग अगली बार भाजपा को मजबूत विकल्प के रूप में चुनेंगे। केंद्रीय मंत्री श्री प्रताप षडंगी ने कहा कि अनेक समस्याओं का समाधान मोदी सरकार में हुआ है। इस सरकार का मैं हिस्सा हूं, यह हमारे लिए गर्व की बात है। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सर्वश्री बैजयंत पंडा, सांसद सुरेश पुजारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम, राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा, प्रदेश अध्यक्ष समीर महांती सहित अनेक नेताओं ने सभा को संबोधित किया। ■

झारखंड, लक्षद्वीप एवं लद्दाख में नए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नियुक्त

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 25 फरवरी को झारखंड, लक्षद्वीप एवं 5 मार्च को लद्दाख प्रदेश भाजपा अध्यक्षों की नियुक्ति की। भाजपा राष्ट्रीय महासचिव श्री अरुण सिंह ने इसकी घोषणा की। भाजपा, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष के रूप में श्री दीपक प्रकाश को नियुक्त किया गया। इससे पूर्व वे प्रदेश भाजपा महामंत्री थे। वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अब्दुल खादर हाजी को लक्षद्वीप प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। जम्मू कश्मीर के पुनर्गठन के बाद अलग केंद्र शासित प्रदेश बने लद्दाख में पूर्व मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री छीरिंग दोरजे को भाजपा अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

दीपक प्रकाश

अब्दुल खादर हाजी

छीरिंग दोरजे

स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत 81 प्रतिशत से अधिक महिलाएं खाताधारक

वित्त मंत्रालय ने पिछले छह वर्षों में विभिन्न योजनाएं शुरू की हैं, जिनमें महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए विशेष प्रावधान हैं। इन योजनाओं ने महिलाओं को बेहतर जीवन जीने और उद्यमी बनने के उनके सपनों को पूरा करने के लिए आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है।

जैसाकि हम 8 मार्च 2020 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं, हम वित्त मंत्रालय द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर नज़र डालते हैं जिन्होंने भारत में महिलाओं को लाभान्वित किया है।

स्टैंड-अप इंडिया योजना- आर्थिक सशक्तिकरण और रोजगार सृजन के लिए जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए 5 अप्रैल 2016 को स्टैंड अप इंडिया योजना शुरू की गई थी। इस योजना में संस्थागत ऋण संरचना का लाभ उठाने का प्रयास किया गया है ताकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला उद्यमियों जैसे अपर्याप्त सुविधा प्राप्त लोगों तक पहुंचाया जा सके ताकि वे राष्ट्र की आर्थिक वृद्धि में भाग ले सकें।

इस योजना का उद्देश्य कम से कम अनुसूचित जाति (एससी) या अनुसूचित जनजाति (एसटी) के एक तथा एक ग्रीनफ़ील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए एससीबी की प्रति बैंक शाखा में कम से कम एक महिला उधारकर्ता को 10 लाख रुपये से लेकर 1 करोड़ रुपये के बीच बैंक ऋण की सुविधा प्रदान करना है।

स्टैंड अप इंडिया योजना के तहत 17.02.2020 तक, 81 प्रतिशत से अधिक खाताधारकों में से 73,155 खाते महिलाओं के लिए खोले गए। महिला खाताधारकों के लिए 16712.72 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। महिला खाताधारकों को 9106.13 करोड़ रुपये वितरित किए गए।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई)- गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख तक का ऋण प्रदान करने के लिए 8 अप्रैल, 2015 को पीएमएमवाई की शुरुआत की गई थी। इन ऋणों को पीएमएमवाई के तहत मुद्रा ऋण के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ये ऋण वाणिज्यिक बैंकों, आरआरबी, लघु वित्त बैंकों, एमएफआई और एनबीएफसी द्वारा दिए जाते हैं।

पीएमएमवाई के संरक्षण में मुद्रा ने वृद्धि/विकास के चरण का वर्णन करने और लाभार्थी सूक्ष्म इकाई/उद्यमी की धन की जरूरतों को दर्शाने के लिए 'शिशु', 'किशोर' और 'तरुण' नामक तीन उत्पाद बनाए हैं और स्नातक/वृद्धि के अगले चरण के लिए एक संदर्भ बिंदु भी प्रदान किया है।

मुद्रा योजना की परिकल्पना 'एकीकृत वित्तीय और सहायक सेवा प्रदाता के रूप में की गई थी, जो व्यापक आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं और मानकों के साथ सर्वोत्कृष्ट मानदंड के बराबर हैं।'

इस योजना के शुरू होने बाद 31.01.2020 तक, 22.53 करोड़ से अधिक ऋणों की मंजूरी दे दी गई। इसमें से 15.75 करोड़ से अधिक ऋण महिलाओं को दिए गए हैं, कुल ऋण उधारकर्ताओं में से 70% महिलाएं हैं।

प्रधानमंत्री जन-धन योजना (पीएमजेडीवाई) - पीएमजेडीवाई को 28 अगस्त, 2014 को शुरू किया गया था। इस योजना का 14.08.2018 से विस्तार और संशोधन किया गया, जिसमें कम से कम प्रत्येक वयस्क, वित्तीय साक्षरता, ऋण तक पहुंच, बीमा और पेंशन के लिए एक बुनियादी बैंकिंग खाते के साथ बैंकिंग सुविधाओं की सार्वभौमिक पहुंच की परिकल्पना की गई।

19.02.2020 तक 38.33 करोड़ लाभार्थियों में से 20.33 करोड़ लाभार्थी महिलाएं हैं, जो 53% हैं।

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) - एपीवाई की शुरुआत 9 मई, 2015 को की गई थी। यह सभी भारतीयों, विशेष रूप से गरीबों और सुविधाओं से वंचित लोगों को 1000 रुपये से 5000 रुपये तक की न्यूनतम मासिक पेंशन की गारंटी की पेशकश कर सामाजिक सुरक्षा प्रणाली की परिकल्पना करता है।

यह योजना बैंक और डाकघरों के माध्यम से सदस्यता के लिए खुली है। 22.02.2020 तक, एपीवाई के अंतर्गत लगभग 2.15 करोड़ कुल ग्राहकों में से 93 लाख से अधिक ग्राहक (43%) महिलाएं हैं।

महिलाओं द्वारा वृद्धावस्था आय सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है क्योंकि एपीवाई के तहत उनके नाम दर्ज होने में 37% (दिसंबर 2016) से 43% (फरवरी 2020) तक निरंतर वृद्धि देखी गई है। कम श्रम शक्ति भागीदारी दर और लिंग के आधार पर वेतन में उच्च अंतर के बावजूद, महिलाएं वृद्धावस्था आय सुरक्षा के लिए बचत करने में सबसे आगे हैं क्योंकि उनकी भागीदारी राज्यों/संघ शासित प्रदेश सिक्किम (73%), तमिलनाडु (56%), केरल (56%), आंध्र प्रदेश (55%), पुदुचेरी (54%), मेघालय (54%), झारखंड (54%), बिहार (52%) में पुरुषों की तुलना में अधिक है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) - पीएमजेजेबीवाई की शुरुआत 9 मई 2015 को की गई थी। इस योजना का उद्देश्य 18-50 वर्ष के गरीबों और वंचितों को केवल 330 रुपये के प्रीमियम के साथ 2 लाख रुपये का नवीकरणीय जीवन बीमा कवर प्रदान करके उनके लिए एक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाना है।

पीएमजेजेबीवाई के तहत 40.70% नामांकन महिला सदस्यों के हैं और 58.21% लाभार्थी महिलाएं हैं। (31.01.2020 को)

दर्ज किए गए कुल 4,71,71,568 नामों में से 1,91,96,805 महिलाओं ने नाम दर्ज कराए हैं। कुल 1,69,216 दावों में से महिला लाभार्थियों के 95,508 दावों का भुगतान किया गया है। (31.01.2020 को)

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) - पीएमएसबीवाई 9 मई 2015 को शुरू की गई थी। इस योजना का उद्देश्य 18 से 70 वर्ष के आयु वर्ग के गरीबों और वंचितों को 12 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर एक बैंक खाते के साथ एक बहुत ही सस्ती बीमा योजना प्रदान करना है; इसमें आकस्मिक मृत्यु और पूर्ण विकलांगता के लिए 2 लाख रुपये और आंशिक विकलांगता के लिए 1 लाख रुपये का जोखिम कवरेज शामिल है।

पीएमएसबीवाई के तहत 41.50% नामांकन महिला सदस्यों के हैं और 61.29% लाभार्थी महिलाएं हैं। (31.01.2020 को) कुल दर्ज किए गए 15,12,54,678 नामों में से 6,27,76,282 नाम महिलाओं ने दर्ज कराए। कुल 38,988 दावों में से महिला लाभार्थियों को 23,894 दावों का भुगतान किया गया है। (31.01.2020 को) ■

फरवरी में जीएसटी संग्रह 1.05 लाख करोड़ रुपये रहा

भा जपानीत केंद्र की राजग सरकार ने फरवरी में जीएसटी के तहत 1.05 लाख करोड़ रुपये की वसूली की, जो पिछले साल इसी महीने की वसूली के मुकाबले आठ प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्रालय के एक बयान अनुसार, "फरवरी 2020 में सकल जीएसटी संग्रह 1,05,366 करोड़ रुपये है जिसमें सीजीएसटी (केंद्रीय जीएसटी) 20,569 करोड़ रुपये, एसजीएसटी (राज्य जीएसटी) 27,348 करोड़ रुपये, आईजीएसटी (एकीकृत जीएसटी) 48,503 करोड़ रुपये और जीएसटी उपकर का संग्रह 8,947 करोड़ रुपये है।"

बयान में बताया गया कि जनवरी महीने के सौदों के संबंध में 29 फरवरी तक कुल 83 लाख जीएसटीआर 3बी रिटर्न दाखिल किए गए। यह आंकड़ा इससे पिछले महीने के बराबर ही है। मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने आईजीएसटी की संकलित राशि में से नियमानुसार सीजीएसटी के लिए 22,586 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 16,553 करोड़ रुपये का भुगतान किया।

बयान में कहा गया, "फरवरी 2020 में नियमानुसार निपटान के बाद केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा अर्जित कुल जीएसटी प्राप्तियां क्रमशः 43,155 करोड़ रुपये और 43,901 करोड़ रुपये रहीं।" घरेलू लेनदेन से फरवरी महीने में जीएसटी राजस्व में पिछले साल इसी महीने के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई।

बयान में कहा गया कि फरवरी 2019 के मुकाबले इस महीने में आयातित वस्तुओं पर जीएसटी संग्रह में दो प्रतिशत की कमी आई। ■

मंत्रिमंडल ने नागरिक उड्डयन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नीति को मंजूरी दी

प्र धानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 4 मार्च को मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड के मामले में उन एनआरआई को स्वचालित मार्ग से 100 प्रतिशत तक विदेशी निवेश की अनुमति देने के लिए मौजूदा एफडीआई नीति में संशोधन को मंजूरी दी, जो भारत के नागरिक हैं।

मौजूदा एफडीआई के अनुसार अनुसूचित हवाई परिवहन सेवा/घरेलू अनुसूचित यात्री एयरलाइन में स्वचालित मार्ग से 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति है (49 प्रतिशत तक स्वचालित और 49 प्रतिशत से अधिक सरकार के जरिये)। हालांकि, एनआरआई के लिए अनुसूचित हवाई परिवहन सेवा/घरेलू अनुसूचित यात्री एयरलाइन में स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति है। लेकिन शर्त यह है कि विमान नियम 1937 के अनुसार पर्याप्त स्वामित्व एवं प्रभावी नियंत्रण (एसओईसी) भारतीय नागरिकों में निहित होगा।

हालांकि मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड के लिए मौजूदा नीति के अनुसार, मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर 49 प्रतिशत से अधिक विदेशी निवेश की अनुमति नहीं है और वह इस शर्त पर आधारित है कि मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड में पर्याप्त स्वामित्व एवं प्रभावी नियंत्रण भारतीय नागरिकों में निहित हो।

इसलिए अनुसूचित हवाई परिवहन सेवा/घरेलू अनुसूचित यात्री एयरलाइन में एनआरआई के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति होने के बावजूद मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड के मामले में यह केवल 49 प्रतिशत तक सीमित है।

भारत सरकार द्वारा मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड के 100 प्रतिशत प्रस्तावित रणनीतिक विनिवेश के संदर्भ में मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड में सरकार की कोई शेष हिस्सेदारी नहीं होगी और वह पूरी तरह निजी स्वामित्व में होगी। इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि एम/एस एयर इंडिया लिमिटेड में विदेशी निवेश के जरिये उसे अन्य अनुसूचित विमानन कंपनियों की श्रेणी में लाया जाना चाहिए।

एफडीआई नीति में इस संशोधन से मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड में अन्य अनुसूचित एयरलाइन ऑपरेटरों के अनुरूप विदेशी निवेश की अनुमति मिल जाएगी यानी मैसर्स एयर इंडिया लिमिटेड में उन एनआरआई को 100 प्रतिशत तक विदेशी निवेश की अनुमति होगी। ■

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत प्रशिक्षित कुल 73 लाख अभ्यर्थियों में से 40 प्रतिशत महिला अभ्यर्थी

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री डॉ. महेन्द्र नाथ पांडेय के अनुसार पिछले चार वर्षों में प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के तहत 73 लाख से भी अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 40 प्रतिशत महिलाएं हैं। जन शिक्षण संस्थानों में यह संख्या 90 प्रतिशत से भी अधिक है।

डॉ. पांडेय ने 4 मार्च को नई दिल्ली में कहा कि कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों में महिलाओं की संख्या बढ़ाने की और भी अधिक गुंजाइश है। डॉ. पांडेय ने घोषणा की कि सरकार एक नई महत्वाकांक्षी योजना लाने पर विचार कर रही है जो विश्वस्तरीय कौशल प्रदान करेगी और इसके साथ ही देश में एक कुशल श्रम बल सृजित करेगी।

डॉ. पांडेय ने कहा कि महिलाओं के लिए प्रशिक्षण केवल पारंपरिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उद्योग– 4.0 के तहत आवश्यक माने जाने वाले नए जमाने के क्षेत्रों के लिए भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह से कटिबद्ध है और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए विभिन्न कार्यक्रमों जैसेकि स्वच्छ भारत, आयुष्मान भारत, जन धन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से मुख्यतः महिलाएं ही लाभान्वित हुई हैं।

यह उल्लेखनीय है कि सरकार अपना कौशल बढ़ाने के लिए महिलाओं को कई तरह की सुविधाएं देने पर विशेष ध्यान दे रही है जिनमें परिवहन, क्रेच, महिला प्रशिक्षक, कामकाज में लचीलापन और अन्य बुनियादी ढांचागत सुविधाएं शामिल हैं। वैसे तो कुल आबादी में महिलाएं लगभग 50 प्रतिशत हैं, लेकिन देश में कुल श्रम बल का लगभग 27 प्रतिशत ही महिलाएं हैं। कुल श्रम बल में महिलाओं का प्रतिशत बढ़ना चाहिए। सरकार आईटीआई में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण दे रही है और कुल 33 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों में से 18 संस्थान विशिष्ट रूप से महिलाओं के लिए ही हैं।

महिलाओं का कौशल बढ़ाने पर काफी ध्यान दिया गया है और इसके अनुकूल नतीजे स्पष्ट रूप से नजर आ रहे हैं। ■

भारतीय रेल ने अपना पहला 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स' लॉन्च किया

भारतीय रेल ने 29 फरवरी को आसनसोल रेलवे स्टेशन पर अपने यात्रियों और वहां के आम लोगों के उपयोग के लिए अपना पहला रेल भोजनालय 'रेस्टोरेंट ऑन व्हील्स' शुरू किया। केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री श्री बाबुल सुप्रियो ने 26 फरवरी, 2020 को आसनसोल स्टेशन पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने तरह के इस पहले रेस्टोरेंट का उद्घाटन किया।

श्री बाबुल सुप्रियो ने दो नए वातानुकूलित विश्राम गृह, इलेक्ट्रॉनिक आरक्षण चार्ट डिस्प्ले सिस्टम (सांसद स्थानीय विकास कोष के माध्यम से) और आसनसोल स्टेशन पर बैटरी संचालित कार का भी उद्घाटन किया।

आसनसोल स्टेशन पर इस रेस्टोरेंट को दो पुराने एमईएमई कोचों को नवीनीकृत करके विकसित किया गया है। इस अनूठे प्रयास से न केवल आसनसोल स्टेशन पर सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी, बल्कि अगले पांच वर्षों में गैर-किराया राजस्व आय भी लगभग 50 लाख रुपये होगी।

आसनसोल स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक आरक्षण चार्ट डिस्प्ले सिस्टम (सांसद स्थानीय विकास कोष के माध्यम से) से विभिन्न ट्रेनों में आरक्षण की स्थिति के बारे में आसानी से जानकारी मिलेगी, जो रेल यात्रियों के लिए बहुत उपयोगी होगा।

अत्याधुनिक फर्नीचर और अन्य उपकरणों से सुसज्जित दो नए वातानुकूलित विश्राम गृह से यात्रियों को आराम मिलेगा। दिव्यांगजन और बुजुर्ग यात्रियों को स्टेशन क्षेत्र में उनके आरामदायक आवागमन के लिए बैटरी संचालित कार बहुत मददगार साबित होगी। ■

जीवन का सामाजिक ध्येय

| दीनदयाल उपाध्याय |

व्यक्ति को अपनी धारणा के लिए शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक-सभी प्रकार के सुख प्रकट हो सकें, तभी वह पूर्ण रूप से समाधान प्राप्त करता हुआ अपना विकास कर सकेगा। साथ ही हमने देखा कि व्यक्ति अपने इस विविध प्रकार से विकास के लिए स्वयं पूर्ण न होकर समाज के ऊपर अवलंबित रहता है। बिना समाज के, बिना दूसरों की सहायता के, बिना दूसरों को साथ लिये वह इनमें से किसी भी प्रकार की अपनी आवश्यकता को पूर्ण नहीं कर सकता।

व्यक्ति जो समाज के ऊपर निर्भर रहता है, इस नाते से और साथ ही व्यक्ति जो अपना स्वयं का विकास करना चाहता है, इस नाते से सामान्यतया दो विचार लोगों के सामने आते हैं। व्यक्ति के विकास को ही प्रमुख स्थान देते हुए कुछ लोग केवल व्यक्ति का विचार करके उसके पोषक के रूप में ही समाज में आगे आएं। दूसरे लोग इस बात का विचार करते हैं कि व्यक्ति अंत में समाज का एक अंग है, समाज के ऊपर ही निर्भर करता है और इसलिए यदि समाज के विकास की चिंता हो तो व्यक्ति का विकास स्वतः हो जाएगा। यहां तक कि व्यक्ति को और दुर्लक्ष्य करके भी हमने समाज का ही विचार किया तो सबकुछ ठीक हो जाएगा। इसलिए वह केवल समाज मात्र का विचार करते हैं। दोनों ही विचार किसी तरह सत्य नहीं हैं।

दोनों ही विचार केवल एक ही पक्ष को लेकर चलते हैं, इसलिए दोनों से पूर्ण उद्देश्य की प्राप्ति नहीं होती। एक से समाज की ओर दुर्लक्ष्य हो जाता है और दूसरे से व्यक्ति की ओर दुर्लक्ष्य होने के कारण जिस व्यक्ति को सुख और विकास के उद्देश्य से प्रयत्न प्रारंभ होते हैं। उसी व्यक्ति का एक प्रकार से विनाश, उस व्यक्ति की स्वतंत्रता का अपहरण, उस व्यक्ति की शक्तियों का सब प्रकार से कुंठित होना, यह उसको दिखाई देता है तो इस दृष्टि से ऐसा कोई मार्ग सोचना पड़ता है, जिसमें दोनों का समन्वय हो सके। जिसमें व्यक्ति विकास करते हुए समाज की आवश्यकता को भी पूर्ण कर सके, जिसके परिणामस्वरूप समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण वह स्वतः और बाक़ी के भी जितने व्यक्ति हैं, वे भी योग्य वातावरण प्राप्त कर सकें।

इस नाते से अनेक संस्थाओं का जन्म होता है। हमारे यहां सभी प्रकार की कुछ संस्थाएं आई। राज्य की संस्था आई। रज्जू भैया ने अपना भाषण देते समय उस रोज बताया था

कि आख़िर राज्य कब पैदा हुआ, पहले राज्य नहीं था, क्योंकि सब लोग अपने-अपने धर्म के आधार पर काम कर लेते थे। धर्म के आधार पर चलते थे, किंतु जब अधर्म आ गया और ऐसी स्थिति आ गई कि एक व्यक्ति दूसरे को सताने लगा, जिसके पास अधिक शक्ति थी, वह दुर्बल को कष्ट देने लगा, पीड़ा पहुंचाने लगा। बाक़ी के राग-द्वेष आदि उत्पन्न हो गए तो इसके कारण चारों ओर एक अव्यवस्था उत्पन्न हो गई। इस अव्यवस्था को ठीक करने की दृष्टि से राज्य का निर्माण हुआ, जिससे लोग ठीक प्रकार से चल सकें, दंड नीति आई, उससे राजा ने दुष्टों को दंड देना प्रारंभ किया और सज्जनों का संरक्षण कर अपनी जिम्मेदारी निभाई। इस प्रकार से वास्तव में सब लोग ठीक प्रकार से अपना-अपना काम कर सकें। दूसरे के मार्ग में किसी प्रकार से बाधा न हो और इसी नाते राजा आया और राज्य आया।

ऐसे ही दूसरी और संस्थाएं हैं, जो वास्तव में इसी के आधार पर निर्मित हुई। जैसे कि एक वर्ण-व्यवस्था का जन्म हुआ था, जिससे समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रत्येक व्यक्ति ठीक-ठीक प्रकार से प्रयत्न कर सके, इस नाते वर्ण-व्यवस्था आई। समाज की अनेक प्रकार की आवश्यकताएं होती हैं, समाज की कुछ बौद्धिक आवश्यकताएं होती हैं, ज्ञान की आवश्यकता होती है। वह ज्ञान यदि समाज को प्राप्त न हो, उसकी बुद्धि-विवेक ठीक ठिकाने पर न रहे, समाज में शिक्षा आदि का संस्कार न प्राप्त हो सके तो समाज ठीक प्रकार से काम न कर सकेगा। उसके नाते से कुछ ऐसे लोगों की आवश्यकता होती है, जो इस प्रकार का काम कर सकें। इसी प्रकार से समाज की रक्षा करने की दृष्टि से कुछ लोगों की आवश्यकता समझी गई, क्योंकि समाज के अंदर भी कुछ दुष्ट लोग होते हैं, चोर हैं, डाकू हैं, बाक़ी के लोग हैं- इन लोगों से भी रक्षा करनी पड़ती है। समाज की जीविका की भी व्यवस्था करनी पड़ती है। खाने-पीने की सारी चीजें पैदा करनी पड़ती हैं। समाज में कुछ लोगों को खाते-पीते सबकुछ करते हुए, उन्हें यथेष्ट रूप से अवकाश प्राप्त हो सके, जिससे वे चिंतन कर सकें, विचार कर सकें, इसके लिए भी कुछ आवश्यकता होती है। इस नाते से लोगों के अंदर ज्ञान की वृद्धि की दृष्टि से, लोगों में संरक्षण की दृष्टि से, लोगों के भरण-पोषण की दृष्टि से लोगों को यथेष्ट अवकाश प्राप्त हो सके, इन सब दृष्टियों से लोगों में भिन्न-भिन्न प्रकार के वर्गों की रचना करनी पड़ती है। लोगों का इस प्रकार से निर्माण करके उन लोगों को ज़िम्मेदारी सौंपनी पड़ती है।

सबको एक ही प्रकार की ज़िम्मेदारी सौंपने से काम नहीं चलता। जैसे यहां पर भी अपना

एक वर्ग चल रहा है। इस वर्ग में भिन्न-भिन्न विभाग हैं। हर एक विभाग के लोगों के ऊपर कुछ ज़िम्मेदारी सौंपी जाती है, यदि ये सारी जिम्मेदारियां बंटी हुई न हों और सब के सब लोग सभी कुछ करने को तैयार हो जाएं, तो शायद अपना काम नहीं चल सकेगा। वह ज़िम्मेदारी सब प्रकार से अपने ऊपर आ जाती है। जैसेकि भोजन बनाने का काम है, भोजन बनाने वाले बनाते हैं और भोजन बनाकर हमें ठीक प्रकार से भोजन देते हैं। इसलिए हम निश्चिंत होकर अपने विविध कार्य करते रहते हैं। यदि ये भोजन हमें ठीक प्रकार से न दें तो शायद हम अपना बाक़ी का कार्यक्रम ठीक तरह न कर सकेंगे। हमारे यहां गण प्रमुख हैं, वे हमें ठीक-ठीक शिक्षा देते हैं। कल्पना कीजिए कि यदि सब गण प्रमुखों की व्यवस्था न हो तो हम अपने स्थान से यहां शिक्षा लेने आएंगे? कितनी भी हमने अपने मन के अंदर उत्कृष्ट इच्छा रखी कि हमें कुछ शिक्षा प्राप्त होनी चाहिए, किंतु यदि शिक्षा देनेवाले लोग यहां न रहें तो फिर अपना किसी भी प्रकार से काम न चल सकेगा। इतना ही नहीं थोड़ा-बहुत रक्षकों की भी व्यवस्था करनी पड़ती है। हम लोग तो यहां आराम के साथ बैठे हुए हैं। अपना वस्ति गृह खाली पड़ा हुआ है। वहां हमारे कमरे में सामान रखा है, गणवेश रखा है। यदि हम उसकी कोई सुरक्षा व्यवस्था न करें, वहां पर कोई भी चिंता करनेवाला न हो और हम सबकुछ छोड़कर यहां आ बैठे तो कभी बड़ी कठिनाई आ जाएगी। जब लौट कर जाएंगे तो पता चलेगा कि कोई निकर उठाकर ले गया, कोई पेटी उठाकर ले गया। जब हम संघ स्थान पर जाने के लिए तैयार हो रहे होंगे, तब यदि निकर न मिला, पेटी न मिली तो बड़ी कठिनाई हो जाएगी। हमारा सामान हमारे ही स्थान पर रहे, इसके लिए व्यवस्था करनी पड़ती है। इसी प्रकार से और भी चीजें आती हैं।

कोई बीमार हो जाता है तो जो भी व्यवस्था है, उसके लिए कुछ-न-कुछ विधान करने ही पड़ते हैं। ये जो सारे विभाग होते हैं, वास्तव में इन सब विभागों के द्वारा प्रत्येक व्यक्ति की आवश्यकता की पूर्ति होती है। साथ ही संपूर्ण समाज की भी आवश्यकता की पूर्ति स्वतः होती चली जाती है। इस नाते से वास्तव में अपने यहां प्राचीन काल से जो वर्ण व्यवस्था चली आ रही थी, वह व्यवस्था इसी आधार पर निर्मित हुई थी कि जिसके द्वारा अपने गुणकर्मों के अनुसार लोग समाज की सेवा कर सकें। अपने-अपने गुणों व कर्मों के अनुसार जो कुछ भी भगवान् ने उन्हें दिया है, उसका अधिकाधिक विकास करते हुए स्वयं का विकास कर सकें और समाज को दो क़दम आगे बढ़ाने के लिए खड़े हो सकें। यह एक विचार है, जिसको व्यावहारिक रूप देने के लिए अपने यहां पर वर्ण-व्यवस्था हुई थी।

उस वर्ण व्यवस्था के द्वारा जिस एक उद्देश्य को हम प्राप्त करना चाहते हैं उस उद्देश्य को बहुत ही सहज रूप में हम प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि इससे दोनों का एक समन्वय करके समाज और व्यक्ति दोनों अपने-अपने गुणों के अनुसार अधिकाधिक काम कर सकते हैं। अपने गुण के अनुसार अधिकाधिक विकास कर सकते हैं। व्यक्ति को इसमें जीवन का एक सामाजिक ध्येय प्राप्त हो जाता है, समाज की भी आवश्यकताएं स्वतः पूरी हो जाती हैं, क्योंकि एक-दूसरे की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए हम यहां पर स्वतः प्रयत्न करते रहते हैं।

समाज की रक्षा की आवश्यकता है। एक पुरुष है, जिसके अंदर पराक्रम की भावना है, जिसके पास बल है, ऐसा जो व्यक्ति है, वह अंतर-बाह्य संकटों से समाज की रक्षा करता है, जिसके पास तपश्चर्या है, जिसके पास ज्ञान है, बुद्धि है, इस प्रकार के लोग समाज को ज्ञान देने के लिए सामने आ जाते हैं। जो लोग कला-कौशल जानते हैं, जिनके पास वाणिज्य व्यापार की बुद्धि है, जो कृषि और गोरक्षा में निष्णात हैं, इस प्रकार जो लोग समाज के भरण-पोषण की चिंता करते हैं और जो एक प्रकार का ऐसा वर्ग है, जो कुछ भी नहीं कर सकता। वे समाज की सेवा का ही कार्य करके समाज की आवश्यकता पूर्ति के लिए आते हैं, तो जिस-जिस में भगवान् के दिए हुए जो-जो भी गुण हैं या जिन-जिन शक्तियों को लेकर हम पैदा हुए हैं, उन-उन गुणों के साथ हम समाज के लिए अधिकाधिक उपयोगी हो सकें, एक-दूसरे की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। इसी नाते यह व्यवस्था हमारे देश में प्राचीन काल से चली आती थी।

इसका एक अत्यंत ही वैज्ञानिक स्वरूप है, इसके अधिक विवरण में मैं नहीं जाता, किंतु यह वास्तव में इस प्रकार की व्यवस्था है, जिसके आधार पर हम लोग चलते रहे हैं। इस व्यवस्था के अंदर बहुत सी अच्छाई-बुराई लोग ढूंढ़ते होंगे। इसका आज का स्वरूप देखकर बहुत से लोग सोचते होंगे कि इस व्यवस्था को समाप्त कर देना चाहिए, क्योंकि इसके आधार पर अनेक भेद लोगों को दिखाई देते हैं, पर यदि हम ठीक से देखें तो देखेंगे कि व्यवस्था तो वास्तव में व्यवस्था ही रहती है। भेद ऐसी चीज़ है, जो दृष्टि के ऊपर निर्भर होती है और किसी भी आधार पर भेद पैदा किया जा सकता है। भेद को दबाया भी जा सकता है, आख़िर को भेद व्यवस्था समाप्त करने से भी भेद समाप्त नहीं होते। जब लोग ऐसा सोचते हैं कि किसी भी आधार पर भेद हो जाता है तो उस आधार को स्वतंत्र कर दे। अब उदाहरण के लिए अमरीका में देखें या आज अफ्रीका में देखें। वहां काले और गोरे के आधार पर एक बड़ा संघर्ष खड़ा हुआ है। अब इस काले-गोरे को कैसे ख़त्म किया जाए? बाक़ी की व्यवस्थाओं को तो कोई कहेगा, तो ख़त्म कर देंगे। परंतु इस काले-गोरे को तो ख़त्म नहीं किया जा सकता, क्योंकि जब तक अपने अंदर से परिवर्तन नहीं होगा, मन का भाव नहीं बदलेगा। तब तक इस काले-गोरे को शायद बदल नहीं सकेंगे। ऐसा नहीं किया जा सकता कि जितने गोरे हैं, उनके मुंह पर कोलतार पोत दिया जाए, ताकि सबके सब काले हो जाएं। यह झगड़ा ख़त्म हो जाए । या फिर कोई कहेगा कि जितने भी काले हैं, वे पाऊडर लगा-लगाकर गोरे हो जाएं। आजकल बहुत से लोग प्रयत्न तो करते हैं, परंतु वे कितना प्रयत्न करेंगे? यह कठिन है। कहा तो यही है कि 'धोए हु ते काजर होए न सफ़ेद' कि कितना भी प्रयत्न किया तो वह सफ़ेद नहीं हो सकता। शायद ऊपर से थोड़ा-बहुत दिखाने के लिए हो सकता है कि वह सफ़ेदी लगाकर गोरा दिखने लगे, लेकिन यह गोरे-काले का भेद नहीं मिट सकता। ■

क्रमशः

-पाञ्चजन्य, मई १९, १९६१, संघ शिक्षा वर्ग, बौद्धिक वर्ग : लखनऊ

अप्रतिम क्रांतिकारी वीर सावरकर

विनायक दामोदर सावरकर (जन्म-28 मई, 1883, मृत्यु-26 फरवरी, 1966) न केवल एक क्रांतिकारी थे, बल्कि वे एक भाषाविद्, दृढ़ राजनेता, समर्पित समाज सुधारक, दार्शनिक, द्रष्टा, महान कवि, इतिहासकार और ओजस्वी वक्ता थे। उनके इन्हीं गुणों ने उनको महानतम लोगों की श्रेणी में उच्च पायदान पर लाकर खड़ा कर दिया। वीर सावरकर प्रथम क्रान्तिकारी थे, जिन पर स्वतंत्र भारत की सरकार ने झूठा मुकदमा चलाया और बाद में निर्दोष साबित होने पर माफी मांगी। साथ ही वे एक प्रख्यात समाज सुधारक भी थे। उनका दृढ़ विश्वास था कि सामाजिक एवं सार्वजनिक सुधार बराबरी का महत्त्व रखते हैं व एक दूसरे के पूरक हैं। अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले विनायक दामोदर सावरकर साधारणतया वीर सावरकर के नाम से विख्यात थे।

वीर सावरकर का जन्म 28 मई 1883 को नासिक के भगूर गांव में हुआ। वह अखिल भारत हिन्दू महासभा के 6 बार राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। 1937 में वे 'हिन्दू महासभा' के अध्यक्ष चुने गए।

1940 ई. में वीर सावरकर ने पूना में 'अभिनव भारत' नामक एक ऐसे क्रांतिकारी संगठन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य आवश्यकता पड़ने पर बल-प्रयोग द्वारा स्वतंत्रता प्राप्त करना था। आजादी के वास्ते काम करने के लिए उन्होंने एक गुप्त सोसायटी बनाई थी, जो 'मित्र मेला' के नाम से जानी गई। एक विशेष न्यायालय द्वारा उनके अभियोग की सुनवाई हुई और उन्हें आजीवन कालेपानी की दुहरी सजा मिली। सावरकर 1911 से 1921 तक अंडमान जेल (सेल्यूलर जेल) में रहे। 1921 में वे स्वदेश लौटे और फिर 3 साल जेल भोगी। इतनी मुश्किलों के बाद भी वे झुके नहीं और उनका देश-प्रेम का जज्बा बरकरार रहा और अदालत को उन्हें तमाम आरोपों से मुक्त कर बरी करना पड़ा। मातृभूमि! तेरे चरणों में पहले ही मैं अपना मन अर्पित कर चुका हूं। देश सेवा में ईश्वर सेवा है, यह मानकर मैंने तेरी सेवा के माध्यम से भगवान की सेवा की।

उन्होंने अनेक ग्रंथों की रचना की, जिनमें 'भारतीय स्वातंत्र्य युद्ध', 'मेरा आजीवन कारावास' और 'अण्डमान की प्रतिध्वनियां' (सभी अंग्रेजी में) अधिक प्रसिद्ध हैं। जेल में 'हिंदुत्व' पर शोध ग्रंथ लिखा। 1909 में लिखी पुस्तक 'द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस-1857' में सावरकर ने इस लड़ाई को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आजादी की पहली लड़ाई घोषित की थी।

'मातृभूमि! तेरे चरणों में पहले ही मैं अपना मन अर्पित कर चुका हूं। देश सेवा में ईश्वर सेवा है, यह मानकर मैंने तेरी सेवा के माध्यम से भगवान की सेवा की।'

वीर सावरकर कलम-कागज के बिना जेल की दीवारों पर पत्थर के टुकड़ों से कविताएं लिखीं। कहा जाता है उन्होंने अपनी रची दस हजार से भी अधिक पंक्तियों को प्राचीन वैदिक साधना के अनुरूप वर्षों स्मृति में सुरक्षित रखा, जब तक वह किसी न किसी तरह देशवासियों तक नहीं पहुंच गई। सावरकर जी की मृत्यु 26 फरवरी, 1966 में मुम्बई में हुई थी। वीर सावरकर के निधन पर भारत सरकार ने उनके सम्मान में एक डाक टिकट भी जारी किया। सच तो यह है कि महान् देशभक्त और क्रांतिकारी सावरकर ने अपना संपूर्ण जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया। अपने राष्ट्रवादी विचारों से जहां सावरकर देश को स्वतंत्र कराने के लिए निरन्तर संघर्ष करते रहे वहीं दूसरी ओर देश की स्वतंत्रता के बाद भी उनका जीवन संघर्षों से घिरा रहा। ■

वीर सावरकर के कुछ प्रमुख कार्य

- सावरकर ने ब्रिटिश साम्राज्य के केन्द्र लंदन में उसके विरुद्ध क्रांतिकारी आंदोलन संगठित किया ।
- सावरकर ने सन् 1905 के बंग-भंग के बाद सन् 1906 में 'स्वदेशी' का नारा दे, विदेशी कपड़ों की होली जलाई।
- सावरकर ने सन् 1857 की लड़ाई को भारत का 'स्वाधीनता संग्राम' बताते हुए लगभग एक हज़ार पृष्ठों का इतिहास लिखा।
- सावरकर ने कलम-काग़ज़ के बिना जेल की दीवारों पर पत्थर के टुकड़ों से कवितायें लिखीं। कहा जाता है उन्होंने अपनी रची दस हज़ार से भी अधिक पंक्तियों को प्राचीन वैदिक साधना के अनुरूप वर्षोंस्मृति में सुरक्षित रखा, जब तक वह किसी न किसी तरह देशवासियों तक नहीं पहुच गई।
- वे प्रथम क्रान्तिकारी थे, जिन पर स्वतंत्र भारत की सरकार ने झूठा मुकदमा चलाया और बाद में निर्दोष साबित होने पर माफी मांगी।

प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे का शिलान्यास किया

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 फरवरी को चित्रकूट में 296 किलोमीटर लंबे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे की आधारशिला रखी। यह एक्सप्रेस-वे फरवरी 2018 में घोषित उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे के निर्माण की स्वीकृति का द्योतक है। 14,849 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस एक्सप्रेस-वे से चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर, जालौन, औरैया और इटावा जिलों को लाभ मिलने की आशा है।

इस कार्यक्रम के दौरान ही आज चित्रकूट में संपूर्ण देश के लिए 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) का शुभारंभ भी किया गया। प्रधानमंत्री ने पीएम-किसान योजना के तहत सभी लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के वितरण के लिए परिपूर्णता अभियान भी चलाया।

देश में रोजगार सृजन के लिए कई तरह की पहल करने के लिए सरकार की प्रशंसा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे अथवा प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस-वे से न केवल उत्तर प्रदेश में संपर्क बढ़ेगा, बल्कि रोजगार के कई अवसर पैदा होने के साथ-साथ यह लोगों को बड़े शहरों में उपलब्ध सुविधाओं से भी जोड़ेंगे।

भूमि प्रणालियों, जहाजों और पनडुब्बियों से लेकर लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, हथियार और सेंसर जैसी रक्षा उपकरणों की व्यापक आवश्यकताओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष के बजट में उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे के लिए 3700 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे से उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे को भी गति मिल रही है।

देश के किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने 10,000 एफपीओ यानी किसान उत्पादक संगठनों को स्थापित करने की एक योजना का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि किसान जो अब तक उत्पादक थे, वह अब एफपीओ के माध्यम से व्यवसाय भी करेंगे। किसानों के लिए सरकार द्वारा की गई कई पहलों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने किसानों के हित से जुड़े हर क्षेत्र पर कार्य किया है। इसमें एमएसपी, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, यूरिया की 100 प्रतिशत नीम कोटिंग और दशकों से अधूरी पड़ी सिंचाई परियोजनाएं को पूर्ण करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि एफपीओ किसानों के प्रयासों को एक दिशा में लाने में मदद करेगा, ताकि वे अपनी उपज की बेहतर मूल्य पर

बिक्री कर सकें। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने देश के 100 से ज्यादा आकांक्षापूर्ण जिलों में एफपीओ को प्रोत्साहन देने का फैसला किया है इनमें हर ब्लॉक में कम से कम एक एफपीओ की स्थापना शामिल है।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए 16 बिंदु का कार्यक्रम

प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए 16 बिंदु कार्यक्रम तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने का भी प्रयास कर रही है कि किसान के खेत से कुछ किलोमीटर की दूरी पर ही एक ग्रामीण हाट की सुविधा उपलब्ध हो, जिसके माध्यम से उसे देश के किसी भी बाजार से जोड़ा जा सके। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में ये ग्रामीण हाट कृषि अर्थव्यवस्था के नए केंद्र बन जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि चित्रकूट सहित पूरे उत्तर प्रदेश के लगभग 2 करोड़ किसान परिवार एक वर्ष में 12 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अपना हक प्राप्त कर रहे हैं, जिसे बिना किसी भेदभाव और बिचौलियों के बिना सीधे उनके बैंक खातों में जमा किया जाता है।

उन्होंने इसकी तुलना उस समय से की जब बुंदेलखंड के किसानों के नाम पर हजारों करोड़ के पैकेज की घोषणा की जाती थी, लेकिन किसान की जेब में कुछ भी नहीं पहुंचता था। उन्होंने कहा कि पीएम-किसान योजना के लाभार्थियों को अब पीएम जीवन ज्योति बीमा और पीएम जीवन सुरक्षा बीमा योजना से भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके माध्यम से मुश्किल समय में किसानों को 2 लाख रुपये तक की बीमा राशि सुनिश्चित की जाएगी। ■

अब राज्य में जनता को दबाने, अत्याचार और भ्रष्टाचार करने की विचारधारा नहीं चलने वाली है: अमित शाह

गत 1 मार्च को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कोलकाता का प्रवास किया।

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री अमित शाह ने 1 मार्च को कोलकाता स्थित शहीद मीनार मैदान में जन-जागरण अभियान के तहत आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने प्रदेश की ममता सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव के समय जब हम बंगाल में चुनाव मैदान में थे तो ममता दीदी कहा करती थीं कि जमानत बचा लेना। ममता जी, 2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़े देख लीजिए, अब आने वाले विधानसभा चुनाव में भी पूर्ण बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बंगाल में बनने जा रही है। 2014 के लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल में भाजपा को सिर्फ 87 लाख मत मिले थे, लेकिन 2019 में 2 करोड़ 30 लाख मत मिले। मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि राज्य के 18 सांसद संसद में इसका प्रतिनिधित्व करके बंगाल को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यह जो यात्रा चली है, रुकने वाली नहीं है। यह यात्रा जो 18 सीटों तक पहुंची है, विधानसभा में दो तिहाई बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनाकर समाप्त होने वाली है। यह विजय यात्रा भाजपा के विकास की नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के विकास और यहां के गरीबों-शोषितों के खिलाफ संघर्ष की यात्रा है। ये यात्रा पश्चिम बंगाल के कानून-व्यवस्था को बेहतर बनाने की यात्रा है। यह यात्रा सिंडिकेट, टोलबाजी और घुसपैठ को समाप्त करने और हमारे करोड़ों शरणार्थी भाइयों-बहनों को नागरिकता देकर सम्मान देने की यात्रा है, यह यात्रा बंगाल में दो-तिहाई बहुमत के साथ समाप्त होने वाली है।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में प्रचार के दौरान हमें यात्रा की अनुमति नहीं दी गई, हैलीकॉप्टर उतरने नहीं दिया गया, निर्मित मंच उखाड़ फेंके गए, भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं पर लाठियां-गोलियां चलायी गईं, झूठे मुकदमे दायर किये गए, 40 से अधिक कार्यकर्ताओं को शहीद कर दिया गया। मैं मुख्यमंत्री ममता दी से पूछना चाहता हूं- क्या आप ऐसा करके हमें रोक पाई हैं? आप जो चाहे करें। हम आपके सामने खड़े हैं। बंगाल के लोग आपका असली चेहरा जानते हैं। आज की यह रैली ममता दीदी, उनकी पार्टी और उनकी पार्टी के सरंक्षित गुंडों के अन्याय के खिलाफ है।

उन्होंने प्रदेश की निरंकुश ममता सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा आज से पश्चिम बंगाल में एक अभियान की शुरुआत कर रही है- 'आर नोय अन्याय' (और अत्याचार नहीं)। यह अभियान बंगाल में तानाशाही ताकतों को हराने की लड़ाई है। यह नारा पश्चिम बंगाल में सरकार पलटने का नारा है। मैं आज पश्चिम बंगाल के हर निवासी को बताना चाहता हूं कि अब हम किसी भी अन्याय को स्वीकार नहीं करेंगे, इस नारे को लेकर घर-घर जाना है और लोगों को जोड़ना है। जनता को दबाने, अत्याचार और भ्रष्टाचार करने और अपने राजकुमार को वारिस बनाने की विचारधारा अब पश्चिम बंगाल में नहीं चलने वाली है। कोई भी शहजादा अब पश्चिम बंगाल का अगला मुख्यमंत्री नहीं बनेगा बल्कि इस मिट्टी का समर्पित एवं कर्मठ सपूत अगला मुख्यमंत्री बनेगा।

श्री शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने विकास के साथ साथ देश की सुरक्षा और सम्मान से जुड़े कई मसलों का निराकरण किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाया। उन्होंने कहा कि धारा 370 और पश्चिम बंगाल की धरती का अटूट रिश्ता है, इसी धरा से हमारे प्रथम अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने नारा दिया था कि एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेगा, नहीं चलेगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने धारा 370 को एक ही झटके में समाप्त कर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी को अपनी विनम्र और सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। ममता दीदी ने संसद में धारा 370 हटाने का विरोध किया था, क्या इसके लिए ममता जी को माफ़ किया जा सकता है?

केंद्रीय गृह मंत्री ने विपक्षी दलों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 70 सालों से कांग्रेस-सपा-बसपा-टीएमसी राम मंदिर निर्माण में रोड़े अटकाते रहे, लेकिन नरेन्द्र मोदी सरकार द्वारा अयोध्या में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर के निर्माण की दिशा में अपनी कटिबद्धता दिखाते हुए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र नाम से ट्रस्ट बनाने का ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए राम मंदिर निर्माण को आगे बढ़ने का काम किया है और अब कुछ ही महीनों एक भव्य राम मंदिर अयोध्या में बनने वाला है।

उन्होंने सीएए का मुद्दा उठाया और ममता बनर्जी को निशाना बनाते हुए कहा कि ममता बनर्जी जब विपक्ष में थीं, तो उन्होंने शरणार्थियों के लिए नागरिकता का मुद्दा जोर-शोर से उठाया था। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीएए ले आए तो वह एकबार फिर से कांग्रेस और वामपंथियों के साथ विरोध में खड़ी हो गईं। ममता बनर्जी अल्पसंख्यकों में भय पैदा कर रही हैं कि वे अपनी नागरिकता खो देंगे। मैं अल्पसंख्यक समुदाय के सभी लोगों को आश्वासन देता हूं कि सीएए से देश के एक भी मुसलमान, एक भी अल्पसंख्यक का नागरिकता अधिकार नहीं जाने वाला है। सीएए नागरिकता लेने का नहीं, बल्कि नागरिकता देने का कानून है। श्री शाह ने ममता सरकार के कुशासन का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि ममता बनर्जी के शासनकाल में पश्चिम बंगाल इतना पिछड़ गया है विकास की तालिका में पश्चिम बंगाल 20वें स्थान पर पहुंच गया है। प्रदेश का हर पांचवा व्यक्ति गरीबी रेखा के नीचे है, प्रदेश में 70 फीसदी किसान कर्ज में डूबे हैं। केंद्र सरकार प्रधानमंत्री किसान योजना के तहत 6000 रुपये देना चाहती है, लेकिन ममता जी उस राशि को किसानों तक पहुंचेने नहीं देतीं। ममता जी, यदि आपको वैर है तो भाजपा से करो, आप गरीब किसानों को क्यों परेशान कर रही हैं? पश्चिम बंगाल की पिछली वामपंथी सरकार ने 1 करोड़ 92 लाख करोड़ रुपये का ऋण छोड़कर गए थे जो वर्तमान में ममता बनर्जी के शासनकाल में यह ऋण बढ़कर 3 लाख 75 हजार करोड़ रुपये का हो चुका है। पश्चिम बंगाल में जन्म लेते ही 40 हजार रुपये का ऋण बच्चे के सर पर आता है। प्रदेश की एफडीआई 2 फीसदी से भी नीचे है। बिजली खपत देश के औसत से 30 फीसदी नीचे है। आजादी के वक्त देश के कुल औद्योगिक उत्पादन का 27% अकेले पश्चिम बंगाल करता था जो आज गिरकर 3.3% पर आ गई है। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर निशाना साधते हुए कहा कि बम धमाके, टोलबाजी, भ्रष्टाचार, गुंडागर्दी, आए दिन ट्रेनें जलाना पश्चिम बंगाल को तबाह कर रखा है। प्रदेश में दुर्गा पूजा आयोजन के लिए अदालत का सहारा लेना पड़ता है, विजयादशमी हम बना नहीं सकते, स्कूलों में सरस्वती पूजा बंद करा दी गयी है और भ्रष्टाचार भतीजे से लेकर सरपंच तक फैली हुई है। इस कुशासन से निजात भारतीय जनता पार्टी की सरकार ही दिला सकती है। क्या सोनार बांग्ला की कल्पना यही थी? पश्चिम बंगाल की जनता ने कांग्रेस, कम्युनिस्ट और तृणमूल कांग्रेस को कई मौके दिए। एक मौक़ा आप भाजपा को दीजिये, हम पश्चिम बंगाल को सोनार बांग्ला बना कर देंगे।

श्री शाह ने प्रदेश की जनता को 'आर नोय अन्याय' (और अत्याचार नहीं) अभियान से जुड़ने के लिए एक टोलफ्री नंबर 9727294294 जारी करते हुए उपस्थित जनसमूह से अपील की कि इस टोलफ्री नंबर पर मिस्ड कॉल दें जिससे पश्चिम बंगाल में चेतना की जो लहर उठेगी वह प्रदेश की ममता सरकार को उखाड़ फेंकेगी और यहां भी एक सुन्दर कमल खिलेगा जिस पर बैठकर मां लक्ष्मी पश्चिम बंगाल को सोनार बंगाल बनायेंगी। ■

कोलकाता में एनएसजी रीजनल हब का उद्घाटन

कोलकाता में एक मार्च को राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के रीजनल हब के परिसर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने इसे एनएसजी के बहादुर जवानों को उपयुक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम करार दिया। केन्द्रीय गृह मंत्री ने रीजनल हब के परिसर के उद्घाटन समारोह और एनएसजी के लिए कोलकाता, मानेसर, चेन्नई और मुम्बई में 245 करोड़ रुपये मूल्य की विविध कल्याणकारी परियोजनाओं के शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि आज जिन विविध सुविधाओं और योजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है, वे इस बल की क्षमताओं को बढ़ावा देने और जवानों के मनोबल को ऊंचा उठाने का मार्ग प्रशस्त करेंगी।

कोलकाता में 162 करोड़ रुपये मूल्य के इस अत्याधुनिक रीजनल हब में 460 कर्मियों और उनके परिवारों के लिए रिहायशी और गैर-रिहायशी परिसर, कार्यालय स्थल होंगे और बैफल फायरिंग

रेंज, इनडोर शूटिंग रेंज, बाधाएं, तरणताल, खेल परिसर तथा कृत्रिम रॉक क्रॉफ्ट वाल आदि जैसी आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाएं होंगी। ■

कौशल भारत: नीतियां हर महिला को अपनी क्षमता हासिल करने में सहयोगी बनाएं

चाहे वह भारत की आजादी के लिए 1857 का विद्रोह हो या आजादी का संघर्ष हो, महिलाओं ने हमेशा भारत को गौरवान्वित किया है

महेन्द्र नाथ पाण्डेय

8 मार्च को हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं का सम्मान करते हैं। हमारे देश में महिलाएं सामाजिक, वित्तीय और राजनीतिक क्षेत्रों में प्रगति कर रही हैं। महिलाओं के लिए समर्पित इस दिन पर व्यक्तिगत तौर पर कुछ शब्दों लिखते हुए मुझे बहुत खुशी मिलती है।

चाहे वह भारत की आजादी के लिए 1857 का विद्रोह हो या आजादी का संघर्ष हो, महिलाओं ने हमेशा भारत को गौरवान्वित किया है। आज भी, महिलाएं देश के विकास और समाज के उत्थान के लिए पूरी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का पालन कर रही हैं। वे विभिन्न क्षेत्रों में कुशलतापूर्वक काम कर रही हैं, जैसे शिक्षाविद, साहित्य, संगीत और नृत्य, खेल, मीडिया, व्यवसाय, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, राजनीति और सामाजिक विकास आदि।

यही नहीं, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे महानगरीय शहरों की महिलाएं राजनीति से लेकर कॉर्पोरेट क्षेत्र में मौजूद बाधाओं को तोड़ रही हैं। साथ ही, महिलाएं अपने नेतृत्व और पंचायत चुनावों में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दे रही हैं। बढ़ती जागरूकता और स्पष्ट इरादे के साथ महिलाएं आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिष्ठानों को मजबूत कर रही है। एक लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह बहुत अच्छी बात है।

कॉरपोरेट क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी में निरंतर इजाफा हो रहा है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महिला भागीदारी लगातार बढ़ रही है। सूचना प्रौद्योगिकी के साथ-साथ बैंकिंग और वित्त क्षेत्र में भी महिलाओं की उपस्थिति बढ़ रही है। पिछले साल, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान -2 की कमान दो महिलाओं को सौंपने का फैसला किया और इन महिलाओं ने इस मिशन की तैयारी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

महिलाओं को सम्मान देते हुए हमारे प्राचीन शास्त्रों में कहा गया है कि "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता", जिसका अर्थ है "जहां महिलाओं की पूजा की जाती है वहीं ईश्वर का निवास होता है"। यह सच है कि यदि हम सभी क्षेत्रों में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक दृष्टिकोण से जोड़ते हैं, तो हम अपने देश और समाज की परंपरा को आगे बढ़ाएंगे। यही कारण है कि हमें अपनी बेटियों को सर्वोत्तम शिक्षा देनी होगी और उन्हें देश के विकास की धारा के साथ जोड़ना होगा।

मेरी ऐसा मत है कि यदि हम महिलाओं को सशक्त बनाना चाहते हैं, तो पहले हमें उनका कौशल विकास करना होगा। जब एक महिला शिक्षित और कुशल होती है, तो वह न केवल एक परिवार, बल्कि पूरे समाज को शिक्षित और कुशल भी बनाती है। जब तक महिलाएं पूरी तरह से शिक्षित, कुशल और समृद्ध नहीं होंगी, तब तक देश वांछित आर्थिक विकास हासिल नहीं कर सकता है।

हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं चला रही है जैसेकि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, महिला ई-हाट योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, साक्षी योजना, लाडली योजना, डिजिटल लाडो और स्वच्छ भारत मिशन शामिल है। हमारी सरकार महिलाओं के पोषण से जुड़े मुद्दों पर भी बड़े पैमाने पर काम कर रही है।

मुझे खुशी है कि कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय इस संबंध में मिलकर काम कर रहे हैं।

हम जानते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति के पास एक अद्वितीय कौशल होता है। लेकिन आवश्यक है कि यह सुनिश्चित किया जाए कि एक तंत्र इस कौशल की सर्वोत्तम संभव तरीके से पहचाना करें और इससे आगे बढ़ाने में आवश्यक सहयोग प्रदान करें। कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री के रूप में यह सुनिश्चित करना मेरी मौलिक जिम्मेदारी है कि हमारे देश की विभिन्न व्यवसायों से जुड़ी सभी महिलाएं अपने-अपने कौशल में प्रशिक्षण प्राप्त कर उसे रोजगारपरक बनाने में सफलता हासिल करें। हम चाहते हैं कि उनके इस कौशल का प्रयोग स्वरोजगार और उनकी प्रगति में किया जा सकें। हम भी तेज गति से इस उद्देश्य को प्राप्त करने में सफल हो रहे हैं।

भारत में लगभग 68.12 लाख महिलाओं को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 2.0 के तहत प्रशिक्षित किया गया है। जन शिक्षण संस्थान योजना के तहत लगभग 4.08 लाख महिलाओं को 2018-

2020 अवधि में प्रशिक्षित किया गया है, जबकि 38.72 लाख महिलाओं को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रशिक्षित किया गया है। वर्तमान में महिलाओं को प्रशिक्षित करने के लिए देश भर में 18 राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थान हैं। महिलाओं को बुनियादी, सैद्धांतिक और उन्नत प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।

यह खुशी और गर्व की बात है कि जहां भारत में महिलाएं इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन डिजाइन, प्रौद्योगिकी और व्यवसाय प्रबंधन जैसे विषयों का अध्ययन कर रही हैं। वहीं ऐसे महिलाएं भी हैं जो नए जमाने के विषयों जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा एनालिटिक्स, 3 डी प्रिंटिंग इत्यादि के साथ पारंपरिक कौशल जैसे सौंदर्य, स्वास्थ्य और स्वास्थ्य सेवा में भी आगे बढ़ रही है, ऐसी महिलाएं की संख्या में भी इजाफा देखने को मिला है जो गैर-पारंपरिक कौशल क्षेत्रों जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स और हार्डवेयर के क्षेत्र में अपना करियर बना रही हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने महिलाओं के कौशल को मजबूत किया है और उन्हें रोजगार के लिए तैयार किया है। प्रधानमंत्री कौशल केंद्रों में स्वरोजगार जैसे दर्जी, सौंदर्य चिकित्सक, ग्राहक सेवा अधिकारी, हेयर स्टाइलिस्ट, योग प्रशिक्षक आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हम बहुत ही जल्द केंद्र सरकार की योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत योजना, स्वच्छ भारत मिशन और स्मार्ट सिटी मिशन में महिलाओं को महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देखेंगे। इन कार्यक्रमों में शामिल होकर महिलाएं समाज को एक नया आयाम देने जा रही है। वास्तव में नए भारत के निर्माण में महिलाओं की शिक्षा और कौशल विकास एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने विभिन्न योजनाओं को शुरू किया है, जिन्होंने हमारे देश की महिलाओं को प्रोत्साहित किया है और उन्हें आत्मनिर्भर और सुरक्षित बनाया है।

हमारी सरकार के प्रयासों ने देश की महिलाओं के बीच विश्वास के माहौल को जन्म दिया है। उन्हें अब इस बात का यकीन हो गया है कि देश का सरकारी तंत्र उनके साथ खड़ा है, जो महिलाओं के सम्मान और विकास के प्रति वचनबद्ध है। पिछले कुछ वर्षों में हमारी सरकार ने महिलाओं की शिक्षा और उनके कौशल को सम्मानित करते हुए प्रगति की एक नई मिसाल कायम की है। हम यह सुनिश्चित करने की प्रतिज्ञा करते हैं कि सरकार के यह प्रयास प्रत्येक भारतीय महिला तक पहुंचे। हम पूरे संयम के साथ इस प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए तरह से तैयार हैं। मैं भारतीय महिलाओं की शक्ति को सलाम करता हूं। ■

लेखक केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री हैं

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना स्वतंत्र भारत में सामाजिक-आर्थिक बदलाव और महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा कारक: धर्मेन्द्र प्रधान

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस तथा इस्पात मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने 6 मार्च को नई दिल्ली में कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) स्वतंत्र भारत में सामाजिक-आर्थिक बदलाव और महिला सशक्तिकरण का सबसे बड़ा कारक है। पीएमयूवाई पर आयोजित एक कार्यशाला में श्री प्रधान ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में हमने एलपीजी कनेक्शनों की संख्या दोगुनी से अधिक कर दी है।

उल्लेखनीय है कि एलपीजी कवरेज 55 प्रतिशत से बढ़कर 97.4 प्रतिशत हो गया है। पीएमयूवाई देश में महिलाओं की स्थिति में सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाने का सबसे बड़ा कारक है।

श्री प्रधान ने कहा कि घरों के पारंपरिक चूल्हों से निकलने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए

खतरनाक होता है। समाज की गरीब महिलाओं को सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल एलपीजी ईंधन उपलब्ध करने से घरों में धुएं का प्रदूषण कम हो गया है, हालांकि यह अभियान अभी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, "व्यावहारिक बदलाव, आपूर्ति श्रृंखला को और मजबूत बनाना, स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना हमारी प्राथमिकताएं हैं। हम एलपीजी सिलेन्डरों को रीफिल करने की प्रक्रिया के लिए अभिनव तरीकों की तलाश में हैं।"

श्री प्रधान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय है। आर्थिक सशक्तिकरण के लिए ऊर्जा महत्वपूर्ण घटक है। उन्होंने कहा, "हम सभी भारतवासियों के लिए ऊर्जा न्याय सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। सस्ती, टिकाऊ, कारगर, सुरक्षित ऊर्जा। एलपीजी को सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का कारक होना चाहिए।"

पीएमयूवाई लाभार्थियों ने बड़ी तादात में हिस्सा लिया और अपने अनुभवों को साझा किया कि किस तरह उनके घरों में गैस का चूल्हा आने के बाद उनके जीवन में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। कार्यशाला का आयोजन इस समय चल रहे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 समारोहों के मद्देनजर किया गया था। ■

संबंधों के नये युग की शुरुआत

शिवप्रकाश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछले वर्ष अमेरिका यात्रा के दौरान उनका स्वागत ह्युस्टन में 'हाउडी मोदी' कार्यक्रम के माध्यम से किया गया। अमेरिका में मिले इस मान-सम्मान को ध्यान में रखते हुए भारत में भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अभिनंदन के लिए अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में 'नमस्ते ट्रंप' कार्यक्रम आयोजित हुआ। अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत का यह दौरा ऐतिहासिक रहा है। ऐतिहासिक इसलिए क्योंकि यह अमेरिका और भारत के संबंधों में एक नये युग की शुरुआत जैसा है। इसने निश्चित रूप से न केवल अमेरिका और भारत के बीच की नजदीकियों को पहले से भी अधिक बढ़ाया है, अपितु अमेरिकी राष्ट्रपति के इस भारत दौरे ने वैश्विक स्तर पर एक नया संदेश भी दिया है।

प्रेसिडेंट ट्रंप का यह दौरा अमेरिका और भारत को सांस्कृतिक और भावनात्मक स्तर पर जोड़ने की शुरुआत है। आमतौर पर किन्हीं दो देशों के बीच संबंधों का आधार कूटनीति या द्विपक्षीय व्यापार का स्तर होता है। भारत की विदेश नीति भी स्वतंत्रता के बाद से मूलतः इन्हीं दो आधारभूत कारकों पर चली है। वर्ष 2014 में देश की सत्ता संभालने वाले नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद विदेश नीति को एक नया आयाम दिया है। कूटनीति और कारोबारी रिश्तों के साथ-साथ मोदी का पूरा जोर अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंधों को विकसित करने पर भी रहा है। पिछले पांच वर्ष में दुनिया के तकरीबन सभी प्रमुख और प्रभावशाली नेताओं के साथ उन्होंने एक निजी और भावनात्मक संबंध स्थापित किया है जिसका परिणाम अंतरराष्ट्रीय मंचों के साथ साथ द्विपक्षीय संबंधों में भी स्पष्ट नजर आया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत आज जिस ऊंचाई पर खड़ा है वह कूटनीति के मामले में प्रधानमंत्री मोदी की बदली विदेश नीति का ही परिणाम है। यह कहना गलत नहीं होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप का यह दौरा भारत की मोदी सरकार की बदली विदेश नीति का सकारात्मक परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी 'पंचामृत (सम्मान, संवाद, समृद्धि, सुरक्षा, संस्कृति)' की नई विदेश नीति से भारत के वैश्विक संबंधों को नई ऊंचाई पर ला दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों को भी नई ऊंचाई पर ला दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों को भी नई ऊंचाई पर ला दिया है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक और रक्षा के क्षेत्र में एक पारस्परिक सहमति बनी है जो कारोबारी स्तर को नई दिशा प्रदान करेगी। लेकिन उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ होते संबंधों का नई ऊंचाई पर पहुंचना। मोदी और ट्रंप के निजी संबंधों की गर्माहट ने भारत और अमेरिका की दोस्ती को 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक रिश्ते में बदल दिया है। दोनों नेताओं के रिश्ते समय के साथ साथ गहरे हो रहे हैं। भारत और अमेरिका के बीच संबंधों की इस प्रगाढ़ता की जो शुरुआत मोदी ने 2015 में बराक ओबामा के साथ मिलकर की थी, उसे मोदी ने ट्रंप के साथ मिलकर नये आयाम तक पहुंचा दिया है।

ट्रंप की भारत यात्रा मोदी सरकार की अभूतपूर्व कूटनीति का नतीजा है, अमेरिकी राष्ट्रपति ने राजनैतिक और कूटनीतिक स्तर पर भारत के लिए महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर मुखरता से बात की। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संबंध मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री की इसी सोच ने दुनिया के विभिन्न देशों के साथ भारत के रिश्तों को प्रगाढ़ करने सहित भारतीय संस्कृति, सभ्यता के वैशिष्ट्य को अमेरिका समेत तमाम विश्व को समझाने का सफल प्रयास किया है। संबंधों की इसी प्रगाढ़ता का ही नतीजा है कि अमेरिका और भारत एक दूसरे की प्राथमिकता और आवश्यकता को समझ कर एक साथ खड़े है। दोनों देशों की इस अभूतपूर्व दोस्ती ने वैश्विक पटल पर एक नया संदेश उकेरा है।

शांति सहिष्णुता और अहिंसा के उपासक महात्मा गांधी जी के साबरमती नदी के किनारे स्थित आश्रम के चबूतरे पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बैठना ना सिर्फ़ गांधी के प्रति उनकी सच्ची श्रद्धांजलि की सशक्त अभिव्यक्ति है, बल्कि पूरे विश्व से भारत की समृद्ध सभ्यता का परिचायक भी है। गांधी जी के मूल्यों और सिद्धांतों पर चलकर भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से शांतिपूर्ण संबंध निभाया है। लेकिन कुछ पड़ोसी देश जैसे पाकिस्तान हमेशा आतंकवाद को प्रायोजित करके भारत की इस सद्भावना को चोट पहुंचाता रहा है।

ट्रंप का यह दौरा आतंकमुक्त विश्व के प्रधानमंत्री मोदी के सपने की दिशा में एक मज़बूत कदम है। राष्ट्रपति ट्रंप के रेडिकल टैररिज्म के ख़िलाफ़ लड़ाई में मज़बूती के साथ खड़े होना का वादा यह और स्पष्ट कर देता है कि अमेरिका भारत के साथ सशक्त भाव से खड़ा है। ट्रंप ने कश्मीर और सीएए जैसे मुद्दों को भारत का आंतरिक मामला स्वीकार कर यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वे भारत की संप्रभुता का सम्मान करते हैं और उन्हें भारतीय नेतृत्व पर पूर्ण विश्वास है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्वीकार किया कि भारत सरीखी धार्मिक आजादी किसी अन्य देश में नहीं है। यह प्रधानमंत्री मोदी की 'सबका साथ-सबका विश्वास' की अवधारणा को मजबूती प्रदान करती है। ■

लेखक भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह महामंत्री (संगठन) हैं

ट्रम्प का भारत दौरा

विजय चौथाईवाले

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 24-25 फरवरी, 2020 के बीच पहली भारत यात्रा दोनों देशों के बीच बढ़ती साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू था, फिर बात रक्षा या सुरक्षा मामलों की हो, ऊर्जा के क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी हो, प्रौद्योगिकी सहयोग, वैश्विक संपर्क, व्यापार संबंध या दोनों देशों के लोगों के संबंधों की हो। हालांकि श्री ट्रम्प भारत का दौरा करने वाले सातवें अमेरिकी राष्ट्रपति हैं, लेकिन इस दौरे के बाद वह अपने पहले कार्यकाल में भारत आने वाले पहले राष्ट्रपति बन गए। श्री ट्रम्प की भारत यात्रा दोनों देशों के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को प्रदर्शित करती है।

इस यात्रा में राष्ट्रपति ट्रम्प का पहला पड़ाव अहमदाबाद में था, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने साबरमती आश्रम का दौरा किया, जहां महात्मा गांधी 13 साल तक रहे। यहां से यह दोनों नेता अहमदाबाद के नवनिर्मित मोटेरा क्रिकेट स्टेडियम में 'नमस्ते ट्रम्प' कार्यक्रम में भाग लेने गए। स्टेडियम में एक लाख से अधिक उत्साहित भारतीयों ने उनका स्वागत किया।

राष्ट्रपति ट्रम्प का स्वागत करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत-अमेरिका के संबंधों को अब केवल एक सामान्य साझेदारी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि यह अब कहीं अधिक और घनिष्ठ साझेदारी में बदल चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी की बात को आगे बढ़ाते हुए विदेशी धरती पर अपनी सबसे बड़ी रैली कर रहे राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि 'एक अविश्वसनीय व्यापार सौदा' और 'इस धरती पर सबसे शक्तिशाली सैन्य उपकरण' हम भारत को देने का वादा कर रहे हैं। ट्रम्प अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति अत्यधिक उदार रहे, और उन्हें 'एक असाधारण नेता', 'भारत का चैंपियन', 'महान प्रधानमंत्री', 'जबरदस्त, सफल नेता', 'कठिन वार्ताकार' एवं दुनियां में किसी भी चुनावों में इतनी बड़ी जीत हासिल करने वाला बताया। उनका भाषण महान भारतीय विरासत, संस्कृति, खेल, बॉलीवुड और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भारत प्रगति की प्रशंसा से भरा रहा।

ट्रम्प ने भारत यात्रा को 'बेहद कामयाब' बताया, जिसमें 3 बिलियन डॉलर के रक्षा सौदों पर हस्ताक्षर हुए, कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का उल्लेख हुआ, अमेरिका ने पाकिस्तान को 'उसकी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों' को लेकर चेताया के साथ ही 5G नेटवर्क और उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे पर जोर दिया गया।

भारत में ट्रम्प के भाषण के तीन मुख्य बिंदु रहे। पहला, जिसमें उन्होंने एक शक्ति के रूप में भारत की निरंतर बढ़ती व्यापकता को माना और कुछ अपवादों के साथ, लोकतंत्र के रूप में भारत के उदय के लिए उन्होंने भारत की एकतरफा प्रशंसा की है। ट्रम्प ने अपने भाषण में कहा, "एक समृद्ध राष्ट्र के रूप में भारत का उदय दुनिया के हर देश और सदी की उत्कृष्ट उपलब्धियों में से एक है।" "यह प्रेरणादायक बात है क्योंकि भारत ने इस उपलब्धि को एक लोकतांत्रिक देश के रूप में हासिल किया है, साथ ही एक शांतिपूर्ण देश के रूप में भारत अपनी सहिष्णु परंपराओं को स्थापित किए हुए है और भारत ने इसे एक महान और स्वतंत्र देश के रूप में हासिल किया है।"

दूसरा, जैसाकि अनुमान था, ट्रम्प ने भारत के आंतरिक मुद्दों पर भी अपनी बात रखी, जिसमें पिछले साल जम्मू और कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बनाने का मुद्दा और नागरिकता बिल, जो आलोचकों के निशाने पर है- जिसमें भारत के पड़ोसी देशों से आने वाले गैर—मुस्लिम प्रवासी के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उदाहरण के लिए, ट्रम्प ने अपनी टिप्पणी में भारत की बहुलतावादी राजनीति और विविधता का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत की प्रशंसा इसलिए की जानी चाहिए, क्योंकि यहां लाखों हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन, बौद्ध, ईसाई, और यहूदियों एक साथ अपनी संस्कृति और धर्म का अनुसरण करते हैं।

ट्रम्प के भाषण का अंतिम पड़ाव अमेरिकी और पाकिस्तान के संबंधों पर था, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान को आड़े हाथों लिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कट्टरपंथी इस्लाम के खिलाफ लडाई में अमेरिका भारत के साथ खड़ा है और भारत और अमेरिका मिलकर आतंकवाद का मुकाबला करेंगे। उन्होंने यह सब उस समय कहा, जब ट्रम्प प्रशासन पाकिस्तान की सहायता से अफगानिस्तान में तालिबान के साथ शांति समझौता करने की कगार पर खड़ा है।

दोनों देशों ने प्रशांत क्षेत्र में घनिष्ठ सहयोग के साथ रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की बात कही और रक्षा क्षेत्र में क्रेता-विक्रेता संबंध से परे अपने संबंधों को आगे ले जाने की बात पर जोर दिया। संयुक्त

बयान में दोनों देशों ने 'उन्नत रक्षा घटकों, उपकरणों और प्लेटफार्मों के सह-विकास और उत्पादन' और रक्षा उद्योग के बीच साझेदारी का उल्लेख किया गया है।

संयुक्त समझौता

भारत और अमेरिका ने 3 बिलियन डॉलर के रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर किए। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "आज हमने अपाचे और एमएच-60 रोमियो हेलीकॉप्टरों सहित 3 बिलियन डॉलर से अधिक दुनिया में बेहतरीन और उन्नत अमेरिकी सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए भारत के साथ समझौत कर अपने रक्षा सहयोग का विस्तार किया है। ये हमारी संयुक्त रक्षा क्षमताओं को बढ़ाएंगे। जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका ने आतंकवाद का समर्थन करने वालों के खिलाफ संयुक्त रूप से लड़ने का संकल्प किया है, डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, "हम कट्टर इस्लामिक आतंकवाद से निपटने और अपने नागरिकों की रक्षा करने में सहयोग करने के लिए सहमत हुए हैं। हम पाकिस्तान की धरती पर आतंकी गतिविधियों को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं।"

इस यात्रा के दौरान ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को लेकर हुए समझौते को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें दोनों देशों ने उद्योग और अन्य हितधारकों के बीच सहयोग को बढ़ाने के साथ ही संबंधों का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने 'न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड और वेस्टिंगहाउस इलेक्ट्रिक कंपनी के बीच होने वाले समझौते को आगे बढ़ाने की बात की, जिसके माध्यम से भारत में जल्द से जल्द छह परमाणु रिएक्टरों के निर्माण के लिए तकनीकी-व्यावसायिक सहयोग के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

अमेरिका ने भारत के हितों को ध्यान में रखते हुए अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति और ब्लू डॉट इनिशिएटिव को आगे बढ़ाने का लक्ष्य रखा है, जिसका उद्देश्य चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के खिलाफ वैश्विक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए उच्च गुणवत्ता, विश्वसनीय मानकों को बढ़ावा देने के लिए सरकारों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक साथ लाना है। इंडो-पैसिफिक रणनीति के मुख्य आधार के रूप में 'यूएस-जापान-इंडिया-ऑस्ट्रेलिया' की चौकड़ी को स्थापित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य एक स्वतंत्र और खुले इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के तौर पर इस इस इलाके का विस्तार करना है। संयुक्त राज्य अमेरिका-भारत रक्षा सहयोग पूरे भारत-प्रशांत क्षेत्र की समृद्धि और सुरक्षा में कारगर साबित होगा।

अमेरिका और भारत ने स्वतंत्र और खुले भारत-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए अपने सुरक्षा संबंधों को गहरा बनाने की घोषणा की, जिसमें समुद्री और अंतरिक्ष डोमेन जागरूकता, सहयोग बढ़ाने, सैन्य आदान-प्रदान और प्रशिक्षण, रक्षा उद्योग सहयोग, सुरक्षित 5 जी सुरक्षित नेटवर्क, स्थायी अवसंरचना निवेश, आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने जैसे मुद्दों को लेकर सहयोग करने की बात शामिल है।

संयुक्त पत्रकार सम्मेलन बेहद शानदार रहा, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने रक्षा, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी, कनेक्टिविटी, व्यापार, आतंकवाद, ऊर्जा, उद्योग 4.0, नवाचार, उद्यम, शिक्षा, भारत-प्रशांत क्षेत्र और दोनों देशों की जनता के बीच संबंधों पर बात करते हुए इन मुद्दों पर एक व्यापक वैश्विक साझेदारी बनाने की बात पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रियों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि कारोबार को लेकर कानूनी पेचीदगियों को कम कर 'एक बड़े व्यापार सौदे' पर बातचीत को अंतिम रूप दिया जाए।

ट्रम्प ने भारत यात्रा को 'बेहद कामयाब' बताया, जिसमें 3 बिलियन डॉलर के रक्षा सौदों पर हस्ताक्षर हुए, कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का उल्लेख हुआ, अमेरिका ने पाकिस्तान को 'उसकी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों' को लेकर चेताया के साथ ही 5G नेटवर्क और उच्च गुणवत्ता वाले बुनियादी ढांचे पर जोर दिया गया। ट्रम्प ने अपने कार्यकाल के दौरान भारत में अमेरिकी निर्यात में 60% की वृद्धि और ऊर्जा निर्यात में 500% वृद्धि का उल्लेख किया।

इस विशाल यात्रा को श्रीमान ट्रम्प के उन शब्दों के लिए याद किया जाएगा, जिनका तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया गया थाः 'अमेरिका भारत से प्यार करता है, अमेरिका भारत का सम्मान करता है और अमेरिका हमेशा भारतीय लोगों के प्रति वफादार और सच्चा दोस्त रहेगा।' इस यात्रा में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग के साथ अफगानिस्तान में शांति के लिए एक रोडमैप, प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण, व्यापार और वाणिज्य का विस्तार, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटल व्यापार आदि में उभरते अवसरों का लाभ उठाने की बातों पर जोर दिया गया। भारत की यात्रा दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों की गवाह बनी। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और विवादास्पद मुद्दों का हल निकाले की उनकी प्रतिबद्धता को इंगित करती है। ■

लेखक भाजपा विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी हैं

सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली के जरिए वित्त वर्ष 2019-20 में 19.64 लाख करोड़ रुपए के 64 करोड़ लेनदेन

केन्द्रीय सरकार ने सार्वजनिक वित्त प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) प्रेरित प्रौद्योगिकी में क्रांति ला दी है, जिसने भारत को जवाबदेह, उत्तरदायी और पारदर्शी बनाने के लिए चुपचाप अधिकार संपन्न बना दिया है।

गौरतलब है कि भारतीय सिविल लेखा सेवा संगठन ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के जरिए 8.46 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सीधे अपने बैंक खातों में पीएम-किसान भुगतान को सक्षम करने के द्वारा अपनी आईटी ताकत साबित की है।

भुगतान के डिजिटलीकरण, प्राप्ति लेखांकन, स्कीम निधियों की ट्रैकिंग के लिए एक मंच के रूप में पीएफएमएस की उपलब्धि निम्न हैं:

- वित्त वर्ष 2019-20: पीएफएमएस के जरिए 19.64 लाख करोड़ रुपए के बराबर के 64 करोड़ लेनदेन किए गए
- डीबीटी के लिए अब तक वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान 1.53 लाख करोड़ रुपये के बराबर की राशि का भुगतान।
- एकीकृत बैंकों की संख्या: 362
- पीएओ – ऑन बोर्ड: 556/563
- सीडीडीओ- ऑनबोर्ड: 1392/1417
- भुगतान एवं लेखांकन के लिए एकीकृत सभी केंद्रीय मंत्रालय (रेलवे और रक्षा को छोड़कर); 1800 से अधिक सीएस/सीएसएस योजना ऑन-बोर्डेड
- सभी 31 राज्य कोषागार एकीकृत
- 53 बाहरी डोमेन सिस्टम एकीकृत
- 27 लाख से अधिक कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसियां पंजीकृत हैं

पीएफएमएस के लिए और अच्छी बात केंद्रीय क्षेत्र योजना, पीएम-किसान योजना का कार्यान्वयन है, जिसे फरवरी 2019 में संसद में प्रस्तुत अंतरिम बजट में घोषित किया गया था। अभी तक कुल 8.12 करोड़ किसानों से संबंधित 24.63 करोड़ लेनदेन के माध्यम से कुल 49,250.77 करोड़ रुपये के लाभ की कुल राशि का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री ने 2 जनवरी, 2020 को तुमकुरु में 6 करोड़ कृषक परिवारों से संबंधित 12 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त किश्त जारी करने की घोषणा की। ■

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 01 अप्रैल से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) में व्यापक विलय को मंजूरी दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 4 मार्च को सार्वजनिक क्षेत्र के 10 बैंकों के 4 बैंकों में विलय के व्यापक एकीकरण को मंजूरी दे दी, इस विलय में शामिल हैं:

1. ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का पंजाब नेशनल बैंक में विलय
2. सिंडिकेट बैंक का केनरा बैंक में विलय
3. आंध्रा बैंक और कॉरपोरेशन बैंक का यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में विलय
4. इलाहाबाद बैंक का इंडियन बैंक में विलय

यह विलय 01 अप्रैल, 2020 से प्रभावित होगा और इसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक क्षेत्र के 7 बड़े बैंकों का व्यापक स्तर पर सृजन होने के अलावा प्रत्येक व्यापक एकीकरण में 80 लाख करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार के साथ-साथ इसकी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच होगी। व्यापक स्तर पर हुए इस एकीकरण से बैंकों को न सिर्फ वैश्विक बैंकों के साथ तुलनात्मक क्षेत्र में अपितु भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रभावी रूप से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाने में मदद मिलेगी।

इस एकीकरण के माध्यम से बड़े पैमाने पर लागत लाभ को सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय बैंकिंग प्रणाली में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता और सकारात्मक प्रभाव का विस्तार करने में सक्षम बनेंगे। इसके अतिरिक्त, इस एकीकरण से इन बैंकों में बड़े स्तर के ऋणों में सहायता के साथ-साथ व्यापक वित्तीय क्षमता के द्वारा प्रतिस्पर्धात्मक कार्य संचालनों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। सभी एकीकृत बैंकों में सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों को अपनाने से बैंकों में उनकी लागत कुशलता और जोखिम प्रबंधन में सुधार होगा एवं व्यापक पहुंच के माध्यम से वित्तीय समावेशन के लक्ष्य में भी वृद्धि होगी।

सभी एकीकृत बैंकों में उन्नत तकनीकियों को अपनाने से न सिर्फ व्यापक योग्य समूह और एक बड़े डाटा बेस तक पहुंच होगी, अपितु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक तेजी से डिजिटल होते बैंकिंग परिदृश्य में विश्लेषणात्मक कार्य क्षमता के द्वारा प्रतिस्पर्धा का लाभ लेने की स्थिति में होंगे। ■

सरकार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिष्ठित महिलाओं के नाम पर 11 चेयर्स की घोषणा की

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी को सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में युवा महिलाओं को प्रोत्साहन, महिला सशक्तिकरण और युवा महिला अनुसंधानकर्ताओं को उचित पहचान देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट भारतीय महिलाओं के नाम पर 11 चेयर्स की घोषणा की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाओं और इस वर्ष के राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के विषय 'विज्ञान में महिलाएं' के अनुरूप प्रस्तावों की घोषणा की।

इन 11 चेयर्स को कृषि, जैव प्रौद्योगिकी, प्रतिरक्षा विज्ञान, फाइटोमेडिसिन, जैव रसायन, चिकित्सा, सामाजिक विज्ञान, भू-विज्ञान और मौसम विज्ञान, अभियांत्रिकी, गणित, भौतिकी और मौलिक अनुसंधान सहित अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में गठित किया गया है। गठित की गई चेयर्स में से एक विख्यात मानव विज्ञानी डॉ. इरावती कर्वे के नाम पर भी है। ■

23 शेल कंपनियों के नेटवर्क सहित 7896 करोड़ रुपये के नकली चालान की बड़ी धोखाधड़ी उजागर

केंद्रीय कर के वंचन रोधी स्कंध, दिल्ली पश्चिम आयुक्तालय के अधिकारियों ने 23 शेल कंपनियों के नेटवर्क के इस्तेमाल द्वारा 1709 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) सहित 7896 करोड़ रुपये के नकली चालान के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें खरीद और माल की वास्तविक आपूर्ति के बिना चालान तैयार किया जाता था। इस मामले में 29 फरवरी, 2020 को दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी व्यक्ति फर्जी चालान के आधार पर आईटीसी को पारित करने के उद्देश्य से कई फर्जी कंपनी बनाकर कर की चोरी कर रहे थे। आईटीसी को वास्तविक बनाने के लिए उन्होंने बैंकिंग लेनदेन का भी इस्तेमाल किया। इन फर्मों ने खरीदारों को फर्जी चालान जारी किया, जिन्होंने वास्तव में किसी भी सामान को प्राप्त किए बिना धोखाधड़ी वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया और जीएसटी देयता के लिए अयोग्य आईटीसी का लाभ उठाकर सरकारी खजाने को धोखा दिया। वे कई मोबाइल फोन, कंप्यूटर और गलत दस्तावेजों के साथ अपने ठिकाने में पकड़े गए।

आरोपियों ने सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 132 (1) (बी) और धारा 132 (1) (सी) के तहत अपराध किए हैं, जो धारा 132 (5) के प्रावधानों के अनुसार संज्ञेय और गैर-जमानती अपराध हैं तथा सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 132 की उपधारा (1) के खंड (i) सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा के अनुसार दंडनीय हैं। तदनुसार, अभियुक्तों को सीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 69 (1) के तहत 29 फरवरी, 2020 को गिरफ्तार किया गया और मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, पटियाला हाउस कोर्ट द्वारा 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। ■

पूसा कृषि विज्ञान मेला-2020 का उद्घाटन

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कृषि क्षेत्र में प्रतिभा के अवधारण का आह्वान किया। पूसा कृषि विज्ञान मेला-2020 का 1 मार्च को नई दिल्ली में उद्घाटन करते हुए श्री तोमर ने कहा कि भारत में प्रत्येक वर्ष विश्वविद्यालयों से बड़ी संख्या में कृषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ तैयार होकर निकलते हैं।

श्री तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता दी है और 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस दिशा में सरकार ने किसानों के लिए लागत मूल्य का डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) सुनिश्चित किया है तथा पीएम किसान योजना के तहत किसानों के लिए प्रतिवर्ष 6,000 रुपये का आश्वासन दिया है और किसान क्रेडिट कार्ड के तहत 1,60,000 रुपये के ऋण का प्रावधान किया है। प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए लाभों के वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित की है तथा अब इसमें मध्यस्थों एवं दलालों की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कृषि क्षेत्र के लिए धन तथा बजटीय सहायता की कोई कमी नहीं होगी।

श्री तोमर ने कहा कि सहकारी कृषि को बढ़ावा देने के क्रम में प्रधानमंत्री ने कल 10,000 नए किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के पंजीकरण की शुरुआत की। फसल की बुवाई, कटाई से लेकर वितरण एवं विपणन से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रत्येक एफपीओ को कुल 15 लाख रुपये देने के लिए 6,600 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए नाबार्ड एवं एनसीडीसी द्वारा संयुक्त रूप से 1,500 करोड़ रुपये की ऋण गारंटी निधि तैयार की गयी है। ■

हमें शांति, एकता और सद्भावना के लिए अनथक प्रयासों में हमें लगे रहना है: नरेन्द्र मोदी

भारतीय जनता पार्टी के संसदीय दल की बैठक नई दिल्ली में 3 मार्च को संपन्न हुई। इस बैठक में उद्बोधन देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विकास और केवल विकास ही हमारा मूल मंत्र है। विकास के माध्यम से देश की सेवा यही हमारी राजनैतिक सक्रियता का उद्देश्य है। हमें ध्यान में रखना है कि शांति, एकता और सद्भावना, यह विकास की पूर्व शर्त है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि शांति, एकता और सद्भावना के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमारे विचारों से, हमारी वाणी से, और हमारे कार्य से (मनसा, वाचा, कर्मणा) निरंतर झलकती रहे। मैं सभी सांसदों से अपील करूंगा कि शांति, एकता और सद्भावना बरकरार रखने के लिए सामूहिक प्रयासों में हम अग्रणी रहकर उनका नेतृत्व करें।

श्री मोदी ने कहा कि मैं आप सभी से यह भी आग्रह करूंगा कि हम खुद को केवल भाजपा के कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि भारत माता के लाल माने और इस महत्ती दायित्व का निर्वहन करें। भारत मां के लाल के नाते शांति, एकता और सद्भावना के लिए अनथक प्रयासों में हमें लगे रहना है।

उन्होंने कहा कि ध्यान में रहे कि समाज में ऐसे भी लोग हैं जो दलहित से प्रेरित है, जबकि हम व्यापक देशहित से प्रेरणा पाते हैं। यह दलहित और देशहित के बीच एक तरह की रस्साकशी है और हमें देशहित के लिए इसमें विजयी ही होना है। हम यह लड़ाई केवल भाजपा के कार्यकर्ता के नाते ही नहीं, बल्कि भारत माता के लाल के नाते लड़ रहे हैं। इस संघर्ष का हमारा उद्देश्य 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' यही है।

श्री मोदी ने कहा कि मुझे बड़ा दुःख होता है, जब मैं देखता हूं कि कुछ लोग 'भारत माता की जय' जैसे नारे को भी संदेह की निगाहों से देखते हैं और उन्हें उनमें कुछ अजीब-सी बू आती है। उनका यह दृष्टिकोण बहुत पीड़ादायक है और हर देशप्रेमी को इसके कारण बड़ा क्षोभ है, बड़ी वेदना है। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बने

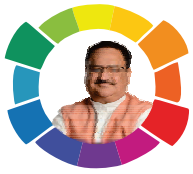

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

राष्ट्रपति भवन में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प व अमेरिका की प्रथम महिला श्रीमती मेलानिया ट्रम्प का स्वागत करते राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, भारत की प्रथम महिला श्रीमती सविता कोविंद व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हॉउस में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प व अमेरिका की प्रथम महिला श्रीमती मेलानिया ट्रम्प

अहमदाबाद (गुजरात) स्थित साबरमती आश्रम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प व अमेरिका की प्रथम महिला श्रीमती मेलानिया ट्रम्प

नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हॉउस में भारत और म्यांमार के बीच समझौतों के आदान–प्रदान के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और म्यांमार के राष्ट्रपति श्री यू. विन मियंट

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में दिव्यांगजनों को सहायता सामग्री वितरित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में मुख्य सूचना आयुक्त श्री बिमल जुल्का के शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडु व प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली **"रजिस्टर्ड"**
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2018-20
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2018-20

अहमदाबाद (गुजरात) स्थित मोटेरा स्टेडियम में लाखों लोगों का जनाभिवादन स्वीकार करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प व अमेरिका की प्रथम महिला श्रीमती मेलानिया ट्रम्प